





स्वच्छता सर्वेक्षण में इस बार स्कूलों को भी किया शामिल, नगर निगम के सामने चुनौती

## सफाई में अत्वल आना है तो स्कूलों पर भी देना होगा ध्यान

**इंदौर।** इंदौर को इस बार स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में अच्छे अंक लाने के लिए कड़ी मशक़त करनी पड़ेगी। केंद्र सरकार ने स्कूलों की स्वच्छता को स्वच्छता सर्वेक्षण में शामिल किया है, जिससे नगर निगम के लिए नई चुनौती खड़ी हो गई है। फरवरी से शुरू होने वाले स्वच्छता सर्वेक्षण में स्कूलों की सफाई के लिए 400 अंक निर्धारित किए गए हैं। अगर सर्वेक्षण के दौरान स्कूलों में सफाई व्यवस्था निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं मिली, तो शहर की रैंकिंग प्रभावित होगी। शहर के स्कूलों में गीले-सूखे कचरे के लिए अलग-अलग डस्टबिन नहीं मिले, तो अंकों में कटौती होगी। इंदौर में कुल 1,200 स्कूल हैं, जिनमें 80 शासकीय और 1,120 गैर-शासकीय स्कूल शामिल हैं। सभी स्कूल स्वच्छता सर्वेक्षण के दायरे में हैं और नगर निगम ने इनका डेटा अपलोड कर दिया है। अगर स्कूलों में गंदगी या सफाई से जुड़ी कमियां मिलीं, तो नगर निगम को माइनस अंक मिलेंगे, जिससे शहर की रैंकिंग



प्रभावित हो सकती है। इस बार स्कूलों की सफाई पर खास जोर रहेगा, ताकि बच्चों में स्वच्छता की आदतें विकसित की जा सकें। **विद्यार्थियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने का होगा प्रयास** स्वच्छता सर्वेक्षण की टीम इस बार सबसे ज्यादा फोकस स्कूलों पर रखेगी। भारत सरकार के आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा आयोजित दुनिया के सबसे बड़े स्वच्छता सर्वेक्षण में पहली बार स्कूलों को शामिल किया गया है, जिससे स्कूली बच्चों

में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा। स्वच्छता सर्वेक्षण के तहत स्कूलों में शौचालयों की सफाई, प्रत्येक कक्षा में गीले-सूखे कचरे के लिए अलग कुड़ेदान, छात्राओं के लिए सैनिटरी नैपकिन और उनके निपटान की व्यवस्था को भी अंक दिए जाएंगे। स्कूलों को लेकर इस तरह बांटे जाएंगे अंक

स्वच्छता -100 अंक  
अपशिष्ट प्रबंधन -150 अंक  
शौचालयों का रखरखाव - 150 अंक

## खजराना गणेश मंदिर में लगा झोला एटीएम

10 रुपए का सिक्का डालते ही बाहर आएगी कपड़े की थैली



**इंदौर।** आज इंदौर के श्री खजराना गणेश मंदिर परिसर में पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता को लेकर जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें जना स्मॉल फाइनंस बैंक के विशेष

सहयोग से झोला अल्टट की 7 मशीनें उपलब्ध करवाई गई इस दौरान नो प्लास्टिक विषय पर नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति भी कलाकारों द्वारा दी गई।

इंदौर नगर निगम , जना स्मॉल

बैंक, संस्था सारथी और श्री साईं एंटरप्राइजैस के माध्यम से आयोजित जन जागरूकता कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भक्त भी पहुंचे और प्लास्टिक उपयोग ना करने का संकल्प भी लिया। इस अवसर पर जना बैंक के नेशनल हेड एवं प्रेसिडेंट श्रीनिवास मूर्ति , रीजनल मैनेजर बालकृष्णन मिश्रा , रीजनल हेड कुणाल कुशवाह , खजराना गणेश मंदिर के अशोक भट्ट , पार्षद पुष्पेंद्र पाटीदार , स्वास्थ्य अधिकारी राजेश जायसवाल , जोनल अधिकारी शैलेन्द्र मिश्रा, कार्यक्रम आयोजक संस्था सारथी और श्री साईं एंटरप्राइजैस के संस्थापक हेमंत शिंदे सहित बड़ी संख्या में आम जनता और भक्त मौजूद रहे।

## बीआरटीएस की मोटर व्हीकल लेन होगी चौड़ी

एलआईजी से गीताभवन वाले हिस्से की चौड़ाई 30 मीटर से बढ़ाकर की जाएगी 60

**इंदौर।** बीआरटीएस पर ब्रिज बनाने के लिए मोटर व्हीकल लेन के हिस्से को चौड़ा किया जाएगा, ताकि निर्माण के समय ट्रैफिक बाधित न हो सके। इसके तहत एलआईजी से गीताभवन वाले हिस्से की चौड़ाई 30 मीटर से बढ़ाकर 60 मीटर की जाएगी। इसके लिए नगर निगम ने सर्वे भी शुरू कर दिया है। शहर में दस साल पहले 300 करोड़ की लागत से जब बीआरटीएस बनाया गया था, तब उसमें पैदल यात्रियों से लेकर लेकर वाहन चलाने वालों को भी ध्यान रखा गया था। बीच के हिस्से में बस लेन थी



और दोनों तरफ मोटर व्हीकल लेन। इसके बाद सर्विस रोड और फिर साइकिल ट्रेक व

फुटपाथ भी बनाए गए थे। साइकिल ट्रेक व फुटपाथों पर अक्सर वाहन पार्क हो जाते हैं, इसलिए अब उसे भी मोटर व्हीकल लेन में शामिल किया जाएगा। **नगर निगम करवा रहा है सर्वे** कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि जनप्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक में बीआरटीएस की चौड़ाई को लेकर बात उठी थी। बीआरटीएस के दोनों तरफ जो नए निर्माण हुए हैं, उसे सैंडवेक की जमीन छोड़कर बनाया गया है। वहां कुछ अस्थाई निर्माण हैं। जिसे हटाकर सड़क की चौड़ाई बढ़ाई जा सकती है। इसके

अलावा सरकारी भूमियों का उपयोग भी इसके लिए किया जा सकता है। अभी नगर निगम द्वारा इसका सर्वे कराया जा रहा है। **हो रहा है दो ब्रिजों का निर्माण** बीआरटीएस पर भंवरकुआं चौराहे पर ब्रिज बन चुका है। इसके अलावा निरंजनपुर चौराहा और सत्यसाईं चौराहा पर ब्रिज का काम शुरू हो चुका है। भविष्य में बस लेन को हटाकर अन्य चौराहों पर भी ब्रिज बनना है। इस कारण सरकार बीआरटीएस इंदौर से खत्म करना चाहती है। मुख्यमंत्री मोहन यादव इसकी घोषणा भी कर चुके हैं।

नर्मदा साहित्य मंथन के तीन दिवसीय आयोजन की शुरुआत

## मजहबी मतांनता रहने तक खत्म नहीं होगा आतंकवाद

**इंदौर।** इंदौर में नर्मदा साहित्य मंथन के तीन दिवसीय आयोजन की शुरुआत शुक्रवार से हुई। उद्घाटन सत्र में स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य सुरेश सोनी ने कहा कि विश्व के कई देश आतंकवाद से परेशान हैं, लेकिन आतंकवाद अस्त्रों और शास्त्रों में नहीं है। मेरा ही भगवान ठीक है और मेरा ही मार्ग ठीक है, जब तक यह मजहबी मतांनता रहेगी, तब तक आतंकवाद खत्म नहीं होने वाला, इस तरह की बातों को पाठ्यक्रमों में बदलाव किया जाना चाहिए। अब अरब देश भी बदलाव ला रहे हैं। उन्होंने कहा कि भगवान के अनेक रूप और अनेक मार्ग, यही बात इसका समाधान हो सकती है। इसके लिए धीरे-धीरे भारत की तरफ चिंतन

आता है। हम प्रकृति में भी ईश्वर को खोजते हैं। दूसरे देशों में प्रदूषण के खिलाफ आंदोलन प्रकृति से प्रेम के कारण नहीं हो रहे हैं। वहां की हवा खराब हो रही है। पानी में प्रदूषण बढ़ रहा है। समस्या के कारण आंदोलन हो रहे हैं, लेकिन हम प्रकृति को पूजते हैं। हमारे देश के पारिवारिक मूल्यों की तरफ दूसरे देशों का आकर्षण बढ़ रहा है। **विचारधारा के स्तर पर कभी शास्त्रार्थ नहीं हुए** सोनी ने कहा कि दुर्भाग्य से हमारे देश में इस्लाम और ईसाईयत सभ्यता के आक्रमण हुए। उनसे देश राजनीतिक रूप से तो लड़ता रहा,लेकिन विचारधारा के स्तर पर कभी शास्त्रार्थ नहीं हुए। उनकी मान्यताओं पर कभी बहस नहीं हुई, इसलिए

इस्लाम और ईसाईयत को हिन्दू अपनी दृष्टि से समझने की कोशिश करता रहा। दयानंद सरस्वती पहले व्यक्ति थे, जिन्होंने दोनो की मान्यता, विचारधारा को चुनौती दी, तब

समाज ने कुछ समझा। उन्होंने कहा कि शास्त्रार्थ की परंपरा लुप्त हो जाती है तो फिर अंधश्रद्धाएं बढ़ती हैं। वैचारिक आक्रमणों का प्रतिकार करने में समाज असमर्थ हो जाता है। **शास्त्र से सिर्फ शरीर मरता है** सोनी ने कहा कि संघर्ष भौतिक, शस्त्रों से और वैचारिक होता है। शस्त्रों की संघर्ष उतना नुकसान नहीं करता, जितना विचारों का करता है। विचारों का संघर्ष गहरा होता है। उन्होंने संस्कृति के एक श्लोक की व्याख्या करते हुए कहा कि शत्रु शास्त्र से पूरा नहीं मरता,शास्त्र से सिर्फ शरीर मरता है, लेकिन यदि उसकी प्रज्ञा मार दी जाए तो वैभव, समृद्धि और कुल का नाश हो जाता है। इस नाते से प्रज्ञा के आक्रमण का प्रतिहार

महत्वपूर्ण रहता है। विचारों के आक्रमण में जब एक विचार को स्थापित किया जाता है तो फिर संघर्ष होता है। हमारे देश में उसे शास्त्रार्थ कहा गया है। उन्होंने कहा कि भारत देश में नए विचारों को लेकर कभी रोक नहीं रही। इससे देश भयभीत भी नहीं हुआ। विचारधारा आती है और चली जाती है। जिसमें सच्चाई होती है, वही टिकती है। भारत देश कई विचारधाराएं देख चुका है, लेकिन उसका आत्मविश्वास कभी कम नहीं हुआ। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में विश्व कल्याण में रामराज्य की भूमिका पर श्याम मनावत ने अपनी बात रखी। देवी अहिल्या सभागृह परिसर में एक प्रदर्शनी का भी उद्घाटन दिलीप सिंह जाधव व प्रकाश शास्त्री ने किया।

औदुंबर समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष का ग्राम कानका में स्वागत

## भौतिक दूरी को मिटा देती है मन की नजदीकियां

**इंदौर।** अखिल भारतीय औदुम्बर ब्राह्मण महासंघ के अध्यक्ष प्रदीप जोशी (इंदौर) का नया गांव आगमन पर समाज जनों ने स्वागत किया। नीमच जिला औदुम्बर ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष श्रवण कुमार शर्मा एवं उपाध्यक्ष ओमप्रकाश चौधरी ने बताया कि समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष जोशी ने नया गांव में आयोजित स्वागत समारोह में कहा कि औदुम्बर ब्राह्मण समाज के सदस्य मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र आदि में विभिन्न शहरों एवं गांवों में निवास करते हैं जो चाह कर भी



एक-दूसरे से मिल नहीं पाते हैं। हमें कोशिश करना चाहिए कि समय-समय पर विभिन्न

सामाजिक आयोजनों में एक-दूसरे से मुलाकात करते रहें तथा सोशल मीडिया के माध्यम से भी

एक-दूसरे से जुड़े रहें क्योंकि मन की नजदीकियां भौतिक दूरी को मिटा देती हैं। इस अवसर पर रूपेश जोशी सुनील शर्मा सहित ग्रामवासी मौजूद थे। ग्राम कानका स्थित गणेश मंदिर पर प्रदीप जोशी का आत्मीय स्वागत नीमच जिला भाजपा के पूर्व अध्यक्ष पवन पाटीदार एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता शांतिलाल पाटीदार ने किया। नीमच जिला अध्यक्ष श्रवण कुमार शर्मा ने प्रदीप जोशी जी को स्मृति चिन्ह भेंट करके सम्मानित किया। आभार ओमप्रकाश चौधरी ने माना।

## इंदौर फैशन फेस्ट में हर राज्य के वेश में नजर आई देश की दुल्हनियां

इंदौर बिजनेस वूमेन एंपावरमेंट और सायनासोर इवेंट्स एंड अवार्ड्स ने किया अनोखा आयोजन



**इंदौर।** कोई बंगाली बाला बनकर आई तो किसी ने राजस्थानी दुल्हन का लुक लिया। कोई राजपूताना परिधान में थी तो कोई ठेट हरियाणवी अंदाज में नजर आई। इंदौर बिजनेस वूमेन एंपावरमेंट और सायनासोर इवेंट्स एंड अवार्ड्स द्वारा ‘इंदौर फैशन

फेस्ट’ का एक अनोखा आयोजन किया गया जिसमें लगभग 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया। फैशन शो का इन्फ्रेशन इंटरनेशनल ब्यूटी एजुकएटर और फाउंडर मानसी ब्यूटी एकेडमी उज्जति सिंग ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रीय गान और गणेश वंदना से

हुई। चीफ गेस्ट गोल्डन मेन राहुल चौधरी उपस्थित थे। शोज टापर के रूप में बालीवुड मिससेस इंडिया रूपाली जलोटा मौजूद थी। फैशन शो में पहला राउंड देश की दुल्हनियां (ब्राइडल ड्रेस राउंड) और दूसरा स्वेग वहाँ जो देसी हो (डिजाइनर राउंड) रहा। इसमें फैशन डिजाइनर और मेकअप आर्टिस्ट का रनवे रखा गया। जिसमें उन्होंने अपने स्टाइल को प्रदर्शित किया।

**प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए मंच प्रदान करना है उद्देश्य** आईबीडब्ल्यूई की फाउंडर पायल जायसवाल, स्नेहा विरवानी, मितीश्री साहा और रिमझिम राय ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य महिलाओं की प्रतिभा और कौशल को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करना है। कोरियोग्राफर आदित्य शर्मा ने बताया कि महिलाओं को 3 दिन रूमिंग सेशन लिया गया। इसमें पर्सनेलिटी डेवलपमेंट स्टेज अपीरियंस और वॉक की ट्रेनिंग दी गई। ज्यूरी के रूप में राशिका नीमा और फातिमा अली मौजूद थी। इस अवसर पर शहर की सभी जानी मानी महिलाएं मौजूद थीं। एंकरिंग कार्तिक सिंह ठाकुर ने की।

आंखों के उपकरण देने का झांसा देकर डॉक्टर से 29 लाख की ठगी

आरोपी ने वॉट्सएप पर संपर्क कर खुद को बताया था कैयर ग्लोबल इंडिया कंपनी का संचालक

**इंदौर।** पलासिया थाना क्षेत्र में एक प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ के साथ बड़ी धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। ‘कैयर ग्लोबल इंडिया’ नाम की एक कंपनी ने उनसे वॉट्सएप के जरिए संपर्क कर आंखों के उपकरण देने का वादा किया और लाखों रुपए की ठगी कर ली। पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है और आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। पलासिया पुलिस के अनुसार, डॉक्टर महेश अग्रवाल, जो ‘श्री गणेश नेत्रालय’ के संचालक हैं, ने अपने क्लिनिक के लिए ऑप्टिकलमोलॉजी उपकरणों की आवश्यकता के चलते अपने परिचितों से संपर्क किया। इसी दौरान, गाजियाबाद के इंदिरापुरम स्थित आदित्य सिटी निवासी राकेश कोल ने उनसे वॉट्सएप पर संपर्क साधा और खुद को कैयर ग्लोबल इंडिया कंपनी का संचालक बताया। उपकरणों को लेकर दोनों के बीच बातचीत हुई, जिसके बाद डॉक्टर ने कोटक महिंद्रा बैंक के खाते में 5 लाख रुपए जमा कर दिए। इसके बाद उन्होंने 40 लाख रुपए का लोन लिया और उसमें से 19 लाख रुपए राकेश कोल की कंपनी को ट्रांसफर कर दिए। सालभर बाद भी नहीं मिले उपकरण डील पूरी होने की उम्मीद में डॉक्टर अग्रवाल ने एक बार फिर 5 लाख रुपए का भुगतान किया। इस तरह उन्होंने कुल 29 लाख रुपए राकेश कोल को दिए। लेकिन एक साल बीत जाने के बावजूद उन्हें कोई उपकरण नहीं मिला। जब डॉक्टर ने राकेश कोल से संपर्क किया, तो उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने ईमेल और पत्र भेजे, यहां तक कि कानूनी नोटिस भी भेजा, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। जब कोई समाधान नहीं निकला, तो उन्होंने पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों से शिकायत की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच शुरू कर दी और आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर लिया है।



सीएम डॉ. मोहन यादव ने जापान में देखे वर्ल्ड हेरिटेज स्पॉट, सोशल मीडिया पर बताया क्या और क्यों हैं खास

# निजो-कैसल जापान की समृद्ध संस्कृति और विरासत का प्रतीक

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जापान दौरे के चौथे दिन 31 जनवरी को कई मंदिरों-टूरिज्म स्पॉट का दौरा किया। उन्होंने क्योटो शहर में किंकाकु-जी यानी गोल्डन पवेलियन, निजो कैसल, सांजुसांगेदों सहित कई वर्ल्ड हेरिटेज देखे। सीएम डॉ. यादव की जापान यात्रा अंतिम पड़ाव पर है। इस यात्रा के दौरान उन्होंने कई उद्योगपतियों-निवेशकों से मध्यप्रदेश में निवेश को लेकर वन-टू-वन चर्चा की। उन्होंने निवेशकों को मध्यप्रदेश में निवेश के अवसरों और फायदों के बारे में बताया। सीएम ने जापान के निवेशकों के साथ टूरिज्म-इंडस्ट्री सहित हर सेक्टर पर विस्तार से बातचीत की।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने जिस गोल्डन पवेलियन यानी किंकाजु-जी मंदिर को

देखा उसमें भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों को रखा गया है। इस मंदिर को यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज का दर्जा साल 1994 में मिला। बताया जाता है कि, साल 1185 से लेकर साल 1333 तक यहां कामाकुरा काल था। सायनजी परिवार यहां राज करता था। यह जगह इतनी खूबसूरत थी कि हर राजा इसे अपने कब्जे में लेना चाहता था। समय के साथ साल 1392 से लेकर 1573 में यहां मुरोमाची काल आ गया। इस काल के अशिकागा शोगुन योशिमित्सु ने अपना महल बनाने के लिए सायनजी परिवार से यह जगह छीन ली। यह महल वास्तुकला का केंद्र है। यह जगह पृथ्वी पर स्वर्ग का अहसास कराती है।

मुख्यमंत्री ने सबसे पहले क्योटो के निजो-कैसल के दर्शन किए। इसे देखने



के बाद उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि निजो-कैसल जापान की समृद्ध संस्कृति और विरासत का प्रतीक है। आज विश्व धरोहर, सांस्कृतिक-ऐतिहासिक स्थल जापान की भव्यता

और समृद्धि को दर्शाता है। बता दें, इस कैसल यानी महल का सतह क्षेत्र 2 लाख 75 हजार वर्ग मीटर (27.5 हेक्टेयर; 68 एकड़) है। इसमें से 8 हजार वर्ग मीटर (86,000 वर्ग फुट) में इमारतें बनी हैं।

महल में किलेबंदी वलय (कुरुवा), निनोमारु महल, होनमारु महल के खंडहर, कई प्राचीन इमारतें और कई गार्डन हैं। बताया जाता है कि इसका निर्माण 1601 में शुरू हुआ और 1626 में पूरा हुआ।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने तो-जी टेंपल के भी दर्शन किए। इस मंदिर का निर्माण 794 में हुआ। तो-जी का अर्थ पूर्वी मंदिर है। दरअसल, उस जमाने में जापान की राजधानी नारा थी। समय के साथ राजधानी नारा को क्योटो ट्रांसफर कर दिया गया था। जैसे ही शाही परिवार यहां आया, वैसे ही इस शहर का नाम बदल दिया गया। इसे द इंपीरियल सिटी ऑफ हैयानक्यो कहा जाने लगा। यहां शानदार सड़कें बनाई गईं। शाही परिवार ने हैयानक्यो के मुख्य प्रवेश द्वार पर दो

विशाल मंदिर बनवाए। एक पूर्व और दूसरा पश्चिम में। पश्चिम का मंदिर अब नष्ट हो चुका है, लेकिन पूर्वी मंदिर यानी तो-जी अभी भी मौजूद है।

इंसान की पीड़ा हरने वाली दया की देवी सांजुसांगेदों मंदिर की स्थापना 1164 में हुई थी। इसमें दया की देवी कन्नन की 1001 मूर्तियां हैं। बताया जाता है कि, एक बार आग से यह मंदिर पूरी तरह नष्ट हो गया था। बाद में इसका पुनर्निर्माण किया गया। यह मंदिर 120 मीटर लकड़ी से बनी अद्भुत संरचना है। 1000-सशस्त्र कन्नन 11 सिरों वाले हैं। मनुष्यों की पीड़ा को वे बेहतर ढंग से देख सकें इसलिए उन्हें इतने सिर दिए गए हैं। लोगों को पीड़ा से मुक्ति दिलाने के लिए उनके पास 1000 हाथ हैं। वास्तविक देवी की मूर्ति की केवल 42 भुजाएं हैं।

एनुअल स्टेटस आफ एजुकेशन रिपोर्ट की ओर से जारी शिक्षा की वार्षिक रिपोर्ट में हुआ खुलासा

## तीसरी के 35 फीसदी बच्चों को नहीं आती 100 तक गिनती

**भोपाल।** देश में नई शिक्षा नीति लागू होने के बाद मध्य प्रदेश में शिक्षा स्तर को बढ़ाने का लगातार सरकार प्रयास कर रही है, लेकिन स्कूलों की स्थिति में अभी तक सुधार नहीं हुआ है। हालत यह है कि मध्य प्रदेश के स्कूलों में पढ़ने वाले तीसरी कक्षा तक के 35 फीसदी बच्चों को 100 तक गिनती नहीं आती है। जबकि 10 फीसदी से ज्यादा ऐसे बच्चे हैं जिनको अक्षर ज्ञान ही नहीं है। यह खुलासा एनुअल स्टेटस आफ एजुकेशन रिपोर्ट (असर) की ओर से जारी शिक्षा की वार्षिक रिपोर्ट में हुआ है। यह सर्वे प्रदेश के 50 जिलों के सरकारी व निजी स्कूलों में पहली से आठवीं कक्षा के बच्चों पर किया गया है। हालांकि बच्चों को स्कूल भेजने के प्रति अभिभावकों में रुचि बढ़ी है। सात साल के आंकड़ों पर नजर डालें तो नामांकन का दर बढ़ा है। 2024 में प्री-स्कूल में तीन साल के 90.5 फीसदी, चार साल के 88.7 फीसदी और पांच साल के 66.7 फीसदी बच्चों ने प्रवेश लिया है।

**नई शिक्षा नीति लागू करने वाला पहला प्रदेश है मध्य प्रदेश** मध्य प्रदेश राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लागू करने वाला पहला राज्य बना है, लेकिन बच्चों की स्थिति यह बनी हुई है। मप्र में सरकारी स्कूलों के बच्चे ठीक तरह से अक्षर तक नहीं पहचान पा रहे हैं। इस बात का खुलासा होने के बाद से ही सरकारी स्कूलों की पढ़ाई पर सवाल खड़े हो गए हैं। दरअसल, स्कूल शिक्षा विभाग के सर्वे रिपोर्ट के सार्वजनिक होने के बाद यह खुलासा हुआ है। सर्वे रिपोर्ट के



सामने आने के बाद प्रदेश की स्कूली शिक्षा की पोल खुल गई है। इस सर्वे में यह बात भी सामने आई है कि सरकारी स्कूलों के बच्चों के मुकाबले निजी स्कूलों के बच्चों की सीखने की क्षमता में वृद्धि हुई है।

**यह है रिपोर्ट** रिपोर्ट के अनुसार कक्षा 3 में, 10.3ल बच्चे अक्षर भी नहीं पढ़ सकते, 35.5ल बच्चे अक्षर पढ़ सकते हैं पर शब्द या उससे अधिक नहीं, 19.4ल बच्चे शब्द पढ़ सकते हैं पर कक्षा स्तर का पाठ या उससे अधिक नहीं, 16.1ल बच्चे कक्षा। स्तर का पाठ पढ़ सकते हैं पर कक्षा 2 स्तर का पाठ नहीं, और 18.8ल बच्चे कक्षा 2 स्तर का पाठ पढ़ सकते हैं।

**डिजिटल साक्षरता और आधारभूत सुविधाओं में सुधार** राज्य में डिजिटल शिक्षा को लेकर भी सकारात्मक रुझान मिले हैं। वर्ष 14-16 आयु वर्ग के 87ल बालकों के घरों में स्मार्टफोन हैं और 80ल बच्चों को स्मार्टफोन के उपयोग का ज्ञान है। साथ ही, वर्ष 2022 से वर्ष 2024 के बीच विद्यालयों में मध्याह्न

भोजन, स्वच्छ पेयजल और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं में भी महत्वपूर्ण सुधार हुआ है।

**16 प्रतिशत छात्राएं और 12ल छात्रों का स्कूलों में नहीं हुआ प्रवेश** इस रिपोर्ट के अनुसार 2024 में 15 से 16 वर्ष के 16 प्रतिशत छात्राएं व 12 प्रतिशत छात्रों का स्कूलों में प्रवेश नहीं हुआ है। हालांकि यह आंकड़ा पिछले आठ सालों में कम हुआ है। 2022 में 12 फीसदी बालक और 17 फीसदी बालिकाओं का स्कूलों में नामांकन नहीं हुआ है। कोविड से पहले यह आंकड़ा और अधिक था। इस सर्वे में स्कूल में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं का भी आकलन किया गया है। इसमें पिछले सालों के मुकाबले कुछ सुधार हुआ है। 58 फीसदी स्कूलों के कन्या शौचालय उपयोग के लायक है तो 70 फीसदी स्कूलों में पीने का पानी उपलब्ध है। 91 फीसदी स्कूलों में मध्याह्न भोजन दिया जाता है, वहीं 90 फीसदी स्कूलों में बिजली कनेक्शन है।

## वेटिंग शिक्षकों ने कटोरा लेकर किया विरोध प्रदर्शन खाली पदों को बढ़ाकर दूसरी काउंसिलिंग कराने की मांग, नेता प्रतिपक्ष ने समर्थन में सरकार को घेरा

**भोपाल।** राजधानी भोपाल के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के सामने वेटिंग शिक्षकों ने प्रदर्शन किया। अभ्यर्थियों ने हाथ में कटोरा लेकर विरोध दर्ज कराया। अभ्यर्थी सरकार से खाली पदों को बढ़ाकर दूसरी काउंसिलिंग कराने की मांग किया। अभ्यर्थियों के विरोध प्रदर्शन पर मध्यप्रदेश के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि नौकरी के मामले में सरकार की लापरवाही के कारण देश के निमाता शिक्षक रो रहे हैं, बिलख-बिलख कर अपना अधिकार मांगने को मजबूर हो गए हैं।

**मांगे नहीं मानी तो महिलाएं काराएंगी मुंडन** अभ्यर्थियों ने बताया कि उच्च माध्यमिक शिक्षक भर्ती वर्ग-1, 2023 के लिए दूसरी काउंसिलिंग को लेकर सरकार लिखित आश्वासन नहीं दे रही है। और कहा कि अगर सरकार हमारी मांगें नहीं मानती है, तो सभी महिलाएं मुंडन कराएंगी। सरकार के लिए बेहद शर्म की बात होगी कि महिलाओं को इस तरह का कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ा।

**एक भी वेटिंग लिस्ट क्लियर नहीं हुई** अभ्यर्थियों ने बताया कि



सरकार जितनी भर्ती निकालती है, कम से कम उन पर तो पूरी तरह भर्ती करें। आज हमारी एक भी वेटिंग लिस्ट क्लियर नहीं हुई है। 8720 पदों में से 2900 पदों को भर दिया गया है, फिर भी हमारी वेटिंग क्लियर नहीं हुई। इतने सारे पद स्कूलों में खाली हैं, क्या उन्हें नहीं भरना चाहिए? सरकार हमें इस तरह सड़कों पर आंदोलन करने के लिए मजबूर न करे। जनजातीय कार्य विभाग में लगभग 15,000 से अधिक पद रिक्त हैं। मांग है कि इन रिक्त पदों को भरने के लिए सरकार दूसरी काउंसिलिंग आयोजित करे।

**हजारों प्रतीक्षारत शिक्षक वर्षों से नियुक्ति का इंतजार** नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि उच्च माध्यमिक शिक्षक भर्ती वर्ग-

1, 2023 को लेकर अभ्यर्थियों द्वारा रानी कमलापति स्टेशन पर विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। गजट पत्र ऊढ़क, 27 दिसंबर 2024 के अनुसार, जनजातीय कार्य विभाग में 15,000 से अधिक पद रिक्त हैं, लेकिन मोहन यादव जी और इखड सरकार ने इन्हें केवल आश्वासनों में उलझा रखा है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि हजारों प्रतीक्षारत शिक्षक वर्षों से नियुक्ति न करे। जनजातीय कार्य विभाग में लगभग 15,000 से अधिक पद रिक्त हैं। मांग है कि इन रिक्त पदों को भरने के लिए सरकार दूसरी काउंसिलिंग आयोजित करे।

**हजारों प्रतीक्षारत शिक्षक वर्षों से नियुक्ति का इंतजार** नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि उच्च माध्यमिक शिक्षक भर्ती वर्ग-

## इस बार चार लाख करोड़ रुपए का हो सकता है बजट

**15 फरवरी से पहले सीएम डॉ. मोहन यादव करेंगे बैठक**

भोपाल। एक फरवरी को प्रस्तुत होने वाला आम बजट मध्य प्रदेश के बजट का आधार बनेगा। विभिन्न योजनाओं में प्रदेश को 50 हजार करोड़ रुपये मिलते हैं। केंद्रीय करों में हिस्सा सहित अन्य मदों में जो राशि प्राप्त होना अनुमानित है, उसे मिलाकर राज्य अपने बजट का आकार निर्धारित करता है। इस बार यह चार लाख करोड़ रुपये का हो सकता है। वित्त विभाग ने सभी विभागों से कहा है कि वे अधीनस्थों के साथ बजट भाषण सुनें और राज्य के लिए कहा, क्या अवसर हैं, उसकी रिपोर्ट तैयार करें। 15 फरवरी के पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक करके बजट के आकार को अंतिम रूप देंगे। वित्त विभाग के अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2024-25 के लिए केंद्र

सरकार से विभिन्न योजनाओं के साथ केंद्रीय करों के हिस्से में लगभग एक लाख 40 हजार करोड़ रुपये मिलने का अनुमान आम बजट में लगाया गया था।

**डेढ़ लाख करोड़ रुपये से ज्यादा मिलने की उम्मीद** लगभग इतनी राशि प्रदेश को वित्तीय वर्ष समाप्त होने के पहले मिल जाएगी। आगामी वित्तीय वर्ष में डेढ़ लाख करोड़ रुपये से अधिक मिलने की उम्मीद है। बजट में जो प्रविधान होंगे, उसके आधार पर विभागों के बजट प्रविधान प्रस्तावित किए जाएंगे। सभी विभागों के अधिकारी बजट भाषण सुनने के साथ ही विभिन्न प्रपों का अध्ययन करके रिपोर्ट तैयार करेंगे। इसे देखकर वित्त विभाग अनुमान लगाएगा कि केंद्र सरकार से किस योजना या मद में कितनी राशि प्रदेश को मिल सकती है।

## धान उत्पादक किसानों को प्रति हेक्टेयर 2 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि देगी सरकार लघु, सीमांत और बड़े सभी किसानों को मिलेगा योजना का लाभ

**भोपाल।** राज्य सरकार प्रदेश के धान उत्पादक सभी किसानों को प्रोत्साहन राशि देगी। यह प्रति हेक्टेयर दो हजार रुपये रहेगी। कृषि विभाग इसके लिए योजना तैयार कर रहा है। इसमें पांच हेक्टेयर तक की अधिकतम सीमा निर्धारित की जा सकती है। योजना को मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के जापान दौरे से लौटने के बाद अंतिम रूप दिया जाएगा। राशि एक-दो माह में किसानों के आधार से लिंक बैंक खातों में एक बड़ा कार्यक्रम कर अंतरित की जाएगी। भाजपा ने विधानसभा चुनाव के दौरान किसानों से 2,700 रुपये में गेहूं और 3,100 रुपये प्रति किंटल की दर से धान खरीदने का वादा किया था। संकल्प पत्र में भी इसका उल्लेख किया गया। जब गेहूं का उपार्जन प्रारंभ हुआ और बोसन की घोषणा



नहीं हुई तो कांग्रेस ने सरकार ने वादाखिलाफी का आरोप लगाया। बाद में सरकार ने प्रति किंटल 125 रुपये बोसन देने का निर्णय लिया।

**प्रति हेक्टेयर किसानों को प्रोत्साहन राशि** दिसंबर, 2024 में राज्य सरकार ने तय किया कि धान उत्पादक किसानों को बोसन

## अनधिकृत हूटर लगाने को लेकर ट्रैफिक डीसीपी कार्यालय का घेराव कांग्रेस नेताओं ने लगाया आरोप- अपराधी हूटर का इस्तेमाल कर फैला रहे दहशत

**भोपाल।** राजधानी भोपाल में अनधिकृत हूटर लगाने को लेकर कांग्रेस नेताओं ने ट्रैफिक डीसीपी कार्यालय का घेराव कर प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला ने सवाल उठाया कि हूटर लगाने की पात्रता किन-किन लोगों को है और निगरानीशुदा हिस्ट्रीशीटर अपराधी हूटर का इस्तेमाल कर दहशत फैलाकर अपराध कर रहे हैं या अपराधियों को संरक्षण दे रहे हैं, उन पर कार्रवाई क्यों नहीं होती? उन्होंने मांग की कि यह अभियान राजधानी से शुरू होकर पूरे प्रदेश में चलाया जाए। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उनके सिद्धांतों की याद दिलाने के लिए गांधीजी का

प्रतीकात्मक चश्मा भेंट कर अनुरोध किया कि हूटर का अवैध रूप से उपयोग करने वालों के खिलाफ समान रूप से कार्रवाई की जाए। मनोज शुक्ला ने कहा कि मुख्यमंत्री जो कि स्वयं गृह मंत्री भी हैं उनके बार-बार के आश्वासन के बावजूद शहर में घटनाएं रूक नहीं रहीं। कई हिस्ट्रीशीटर गुंडे गाड़ी पर कमल के फूल का निशान लगाकर हूटर लगा रहे हैं।

**रसूख की वजह से जांच नहीं करने अधिकारी** शुक्ला ने आरोप लगाते हुए कहा कि गाड़ियों में लगे अनधिकृत हूटर की यातायात और सुरक्षा एजेंसियां या तो जान-बूझकर या उनके रसूख की वजह से जांच नहीं कर रही हैं।



## संपादकीय

## सरकारी स्कूलों के बच्चों के पढ़ने की बुनियादी क्षमता में सुधार

ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों को लेकर किए गए अध्ययन वाली असर की रिपोर्ट बताती है कि देश में छह से चौदह वर्ष के बच्चों के पढ़ने की क्षमता और गणितीय कौशल में कोरोना संकट के बाद सुधार देखा गया है। सरकारी स्कूलों में तीसरी कक्षा के बच्चों के पढ़ने की बुनियादी क्षमता में पहले से सुधार हुआ है। जो पिछले दो दशकों में सर्वोत्तम स्तर पर है। अच्छी बात यह है कि सरकारी व निजी दोनों स्तर पर स्कूलों में विद्यार्थियों के बुनियादी गणितीय कौशल में सुधार देखा गया। जो पिछले एक दशक में बेहतर है। अब कक्षा तीन के छात्र घटाव के प्रश्न हल करने में सक्षम हैं। वहीं कक्षा पांच के बच्चे भाग के प्रश्न हल कर सकते हैं। अच्छी बात यह भी कि देशभर के स्कूलों में सीखने के स्तर में भी सुधार आया है। यह स्तर 2010 तक स्थिर था, फिर इसमें गिरावट का ट्रेंड देखा गया था।

निर्विवाद रूप से आम लोगों की धारणा सरकारी स्कूलों के प्रति अच्छी नहीं रहती। थोड़ी आर्थिक स्थिति सुधारते ही लोग अपने बच्चों को महंगे निजी स्कूलों में भेजने को आतुर हो जाते हैं। कोरोना संकट ने बताया था कि जब तमाम लोगों की आर्थिक स्थिति खराब हुई और नौकरियां गई, तो सरकारी स्कूलों ने उनके बच्चों को सहारा दिया। आंकड़े बताते हैं कि कोरोना संकट के दौरान व बाद में सरकारी स्कूलों में बच्चों के दाखिलों में खासी तेजी आई थी। लेकिन यह सवाल नीति-निर्यताओं के लिये विचारणीय है कि बेहतर संरचनात्मक सुविधाओं व ऊंचे वेतनमान वाले शिक्षकों के बावजूद सरकारी स्कूल जनमानस की आकांक्षाओं की कसीटी पर खरे क्यों नहीं उतरते। समाज के संपन्न तबके व अधिकारियों के बच्चे सरकारी स्कूलों में जाने से गुरेज क्यों करते हैं? बहरहाल, एनुअल स्टेटस ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट यानी असर 2024 के जो निष्कर्ष बीते मंगलवार को दिल्ली में जारी किए गए, वे नई उम्मीद जगाते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों को लेकर किए गए अध्ययन वाली असर की रिपोर्ट बताती है कि देश में छह से चौदह वर्ष के बच्चों के पढ़ने की क्षमता और गणितीय कौशल में कोरोना संकट के बाद सुधार देखा गया है। सरकारी स्कूलों में तीसरी कक्षा के बच्चों के पढ़ने की बुनियादी क्षमता में पहले से सुधार हुआ है। जो पिछले दो दशकों में सर्वोत्तम स्तर पर है। अच्छी बात यह है कि सरकारी व निजी दोनों स्तर पर स्कूलों में विद्यार्थियों के बुनियादी गणितीय कौशल में सुधार देखा गया। जो पिछले एक दशक में बेहतर है। अब कक्षा तीन के छात्र घटाव के प्रश्न हल करने में सक्षम हैं। वहीं कक्षा पांच के बच्चे भाग के प्रश्न हल कर सकते हैं। अच्छी बात यह भी कि देशभर के स्कूलों में सीखने के स्तर में भी सुधार आया है। यह स्तर 2010 तक स्थिर था, फिर इसमें गिरावट का ट्रेंड देखा गया था। दरअसल,कोरोना काल में बच्चों के सीखने की क्षमता में गिरावट देखी गई। महामारी के चलते स्कूल बंद होने के बाद बच्चे पढ़ नहीं पाए। अधिकांश बच्चों के पास स्मार्टफोन नहीं थे। वहीं घर में माता पिता के कम पढ़े-लिखे होने या अनपढ़ होने से बच्चों का सीखने का मूलभूत कौशल प्रभावित हुआ था। बच्चे पहले का सीखा भूल गए और बड़ी संख्या में बच्चों को स्कूल भी छोड़ना पड़ा। असर की रिपोर्ट बताती है कि जहां नामांकन प्रतिशत में वृद्धि हुई है,वहीं डिजिटल साक्षरता की दर में भी वृद्धि देखी गई है। सुखद है कि कोरोना काल के बाद स्कूलों में पढ़ाई को लेकर गंभीरता देखी गई है। जागरूकता अभिभावकों के स्तर पर भी देखी गई है। हालांकि, बीते वर्ष के मुकाबले छह से चौदह वर्ष तक के बच्चों के दाखिलों में कमी देखी गई है। जिसकी वजह है कि कोरोना संकट के चलते रोजगार प्रभावित होने से जो बच्चे सरकारी स्कूलों की तरफ आए थे, वे फिर आय बढ़ने पर निजी स्कूलों की ओर रुख करने लगे हैं। दरअसल, सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर भरोसा कायम करने की जरूरत है। वैसे सरकारी स्कूलों में भी स्मार्टफोन इस्तेमाल करने वाले बच्चों की संख्या बढ़ी है। वहीं दूसरी असर की रिपोर्ट में पंजाब को लेकर कहा गया है कि स्कूली बच्चे पंजाबी पढ़ने को लेकर निराशाजनक प्रदर्शन कर रहे हैं। पंजाब सरकार के स्कूलों में कक्षा तीन के केवल 34 फीसदी छात्र ही दूसरी कक्षा की पाठ्य पुस्तकें पढ़ सकते हैं। हालांकि, पढ़ने की क्षमता और अंकगणित की समस्याओं के हल करने के मामले में सरकारी स्कूलों ने निजी स्कूलों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया । लेकिन चौंकाने वाली बात यह कि सरकारी व निजी स्कूलों के तीसरी कक्षा के 15 फीसदी से अधिक छात्र ही गुरुमुखी लिपि के अक्षर पढ़ सकते हैं, शब्द नहीं। वहीं 4.6 फीसदी छात्र पंजाबी के अक्षर भी नहीं पढ़ सकते। हालांकि, बुनियादी ढांचे के मोर्चे पर पंजाब राष्ट्रीय औसत से बेहतर स्थिति में रहा है।

# रवींद्रनाथ टैगोर और ‘भारतमाता’ पर विवाद- एक अनावश्यक प्रोपेगेंडा

हाल ही में सोशल मीडिया पर राष्ट्रगान ‘जन गण मन’ को लेकर एक नया विवाद उठ खड़ा हुआ, जिसमें कुछ लोगों ने दावा किया कि टैगोर ने इसे ब्रिटिश राजा जॉर्ज पंचम की स्तुति में लिखा था। यह तर्क जितना हास्यास्पद है, उतना ही यह हमारे सांस्कृतिक और ऐतिहासिक समझ की सतही व्याख्या को भी उजागर करता है। इस बहस का एक भारतीय परिप्रेक्ष्य से विश्लेषण न केवल जरूरी है, बल्कि यह यह भी दिखाएगा कि कैसे डिजिटल दौर में ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़-मरोड़कर प्रचारित किया जाता है। रवींद्रनाथ टैगोर भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में अपनी भूमिका के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने 1915 में ब्रिटिश सरकार से ‘नाइटहुड’ की उपाधि प्राप्त की थी, लेकिन 1919 में जलियावाला बाग हत्याकांड के बाद उन्होंने इसे लौटा दिया। क्या एक ऐसा व्यक्ति, जिसने ब्रिटिश सरकार के प्रति इतनी दृढ़ असहमति दिखाई, उसी सरकार की स्तुति में राष्ट्रगान लिख सकता था ?

यह बहस इस आधार पर खड़ी की जाती है कि टैगोर ने जन गण मन दिसंबर 1911 में लिखा था, उसी समय जब जॉर्ज पंचम भारत यात्रा पर आए थे। किंतु इसके ऐतिहासिक संदर्भ को समझना जरूरी है-

1. कवि की स्पष्टता- खुद टैगोर ने 1939 में स्पष्ट किया कि यह गीत



किसी भी राजा या ब्रिटिश सत्ता के लिए नहीं लिखा गया था, बल्कि यह भारत के भाग्यविधाता (नियति-निर्धारक) की वंदना थी। उनके अनुसार, यह भारत के भाग्य विधाता के रूप में परमात्मा को संबोधित करता है, न कि किसी मानव शासक को। 2. पूरा गीत पढ़ें- यदि हम जन गण मन का पूरा गीत पढ़ें (जो कि पांच पदों का है), तो स्पष्ट होता है कि इसमें भारत की आत्मा, उसकी जनता और उनके नियति-निर्धारक की चर्चा है। यदि यह ब्रिटिश राजा की प्रशंसा के लिए लिखा गया होता, तो यह ‘भारत भाग्य विधाता’ के बजाय सीधे जॉर्ज

पंचम का नाम लेता। 3. ब्रिटिश सरकार की प्रतिक्रिया- 1911 में ब्रिटिश सरकार ने ‘गांड सेव द किंग’ को अपनी आधिकारिक धुन के रूप में अपनाया था। यदि टैगोर का गीत भारत के सम्मान में होता, तो ब्रिटिश सरकार इसे अपनाती, पर ऐसा कभी नहीं हुआ। भारतीय दर्शन और संस्कृति में ‘भाग्य विधाता’ शब्द ईश्वर के लिए प्रयुक्त होता है। चाहे वह हिंदू धर्म में ब्रह्मा, विष्णु, महेश हैं, इस्लाम में अल्लाह हो या ईसाई धर्म में गाँड— यह संकल्पना सार्वभौमिक रूप से आध्यात्मिक सत्ता की ओर इशारा करती है। ऐसे में, इस शब्द

को किसी ब्रिटिश राजा से जोड़ना भारतीय चेतना के विपरीत है। आज सोशल मीडिया के युग में ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत करना एक चलन बन गया है। अतीत में भी हमने देखा है कि सुभाष चंद्र बोस को लेकर अलग-अलग भ्रांतियाँ फैलाई गईं, भारत सिंह के विचारों को विकृत किया गया, और अब टैगोर के गीत को गलत संदर्भ में प्रचारित किया जा रहा है। इस प्रकार के विवाद न केवल हमारी सांस्कृतिक समझ को कमजोर करते हैं, बल्कि यह भी दर्शाते हैं कि डिजिटल युग में बिना तथ्यों की पड़ताल किए हुए किसी भी बात को सत्य मान लेना कितना खतरनाक हो सकता है। रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा रचित जन गण मन भारत की आत्मा और उसके नियति-निर्धारक की वंदना है। इसे किसी ब्रिटिश राजा के गुणगान से जोड़ना न केवल ऐतिहासिक रूप से गलत है, बल्कि यह हमारे सांस्कृतिक मूल्यों की भी अवमानना है। यह विवाद भारतीय इतिहास की सतही समझ और सोशल मीडिया की सनसनीखेज प्रवृत्ति का एक उदाहरण मात्र है। टैगोर की रचनाएँ आज भी भारतीय आत्मा का प्रतिनिधित्व करती हैं, और हमें उन्हें किसी भी संकीर्ण राजनीतिक या प्रचारात्मक एजेंडा से बचाकर रखना चाहिए। ( राजीव खरे ब्यूरो चीफ छत्तीसगढ़ )

## ओपन मैरिज और विवाह व्यवस्था, भारतीय समाज को किस तरह प्रभावित करेगा यह चलन?

भारतीय संस्कृति में शादी को वह पवित्र बंधन माना जाता है। हिंदू धर्म और परंपरा में पति-पत्नी का रिश्ता पूर्वजन्म का संबंध होता है। समाज के भीतर यह रिश्ता सात जन्मों के बंधन के रूप में पूजा जाता है। विष्णु और लक्ष्मी से लेकर शिव-पार्वती तक विवाह का पवित्र बंधन आपसी विश्वास और प्रेम की अटूट डोर से बंधा होता है। कहा जाता है जन्म,मरण,परण सब विधि के हाथ होता है। इसका अर्थ है कि ना मनुष्य के हाथ में जन्म है, ना मृत्यु और ना ही विवाह का ब्यवस्था नहीं है। जीवन में एक बार पति या पत्नी के रूप में वरण कर लिया वह फिर आजीवन साथ निभाता है। हालांकि, बीते कुछ दशकों में सामाजिक परिवर्तनों के चलते और समाज के ढांचे में बदलाव के चलते परिवारिक ढांचा पूरी तरह से बदल गया है। आज हिंदू धर्म में तलाक एक न्यायिक व्यवस्था के अंतर्गत है। दो लोग आपसी सहमति से अलग हो सकते हैं जिसे न्यायपूर्वक और कानून द्वारा तय किया जाता है। बहरहाल, दांपत्य जितना प्रेम से परिपूर्ण रिश्ता है, उतना ही यह आपसी विश्वास की डोर से बंधा हुआ है। यह वह आपसी भरोसा ही है जिसके चलते एक परिवार की वंशावली निर्मित होती चली जाती है। लेकिन उत्तर आधुनिक समाज में बाजारवाद के प्रभाव के चलते सामाजिक

संरचनाएं न केवल खिंचीट हुई हैं बल्कि, संयुक्त परिवारों की तुलना में एकल परिवार का कॉन्सेप्ट शुरू हो गया है। पहले पति-पत्नी, माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ रहते थे, लेकिन वैश्विक परिदृश्य में बदलाव के चलते खासतौर पर ग्लोबलाइजेशन के बाद के बाद अब केवल एकल परिवार रह गए हैं। जाहिर है इन एकल परिवारों में संयुक्त परिवार का आधार न होने के कारण पति और पत्नी के बीच के संबंधों में दरार आई है। नौकरी पेशा जिंदगी, महानगरों में रहना, तनाव, आपसी विश्वास की कमी, यह सब संबंधों के टूटने का आधार रहे हैं। शादी के टूटने में सबसे बड़ी भूमिका नीरसता, साथी की ओर से उपेक्षा, विवाहेत्तर संबंध। यह वह सब कारण हैं जिसके चलते ओपन मैरिज जैसे कॉन्सेप्ट 21वीं सदी में हमारे सामने है। बीते एक दशक में समाज में तेजी से परिवर्तन के होने चलते रिलेशनशिप के कई तरह के कॉन्सेप्ट्स सामने आए हैं, उन्हीं में विवाह के अंतर्गत एक कॉन्सेप्ट है, जिसे ओपन मैरिज कहा जा रहा है। समाजशास्त्रियों से लेकर के मनोवैज्ञानिक तक ओपन मैरिज के कॉन्सेप्ट को एक तरह से स्वीकार्यता दे चुके हैं। पश्चिम का यह कॉन्सेप्ट भारतीय समाज में धीरे-धीरे प्रवेश कर रहा है। ओपन मैरिज का कॉन्सेप्ट न केवल महानगरों की देन है बल्कि यह अब धीरे-धीरे महानगरीय संस्कृति का हिस्सा बन रहा है। शादी में पति-पत्नी का संबंध भरोसे पर ही आधारित होता है। भरोसा एक ऐसा

शब्द है कि अगर किसी व्यक्ति पर जघन्य अपराध की भी आरोप लगा हो और उसने अपनी पत्नी से मात्र इतना कह दिया कि क्या तुम्हें मुझपर भरोसा नहीं है तो उसकी पत्नी को किसी सबूत की जरूरत ही नहीं होगी। अगर शादी भरोसे का रिश्ता होता है तो क्या हमारा समाज इतना आगे बढ़ गया है कि अब इस रिश्ते में एक तीसरे व्यक्ति की भी जरूरत पड़ रही है। आश्चर्य की बात यह है कि आज के युवाओं में न केवल इसे सही माना जा रहा है बल्कि पसंद भी किया जा रहा है। सोशल मीडिया के इस दौर में कुछ भी छुपाना असंभव है। आज के समय में लोगों का रिश्ता भी बदलता जा रहा है और उसे निभाने का तरीका भी। एक तरफ तो कुछ लोग अपना सारा जीवन एक इंसान के साथ ही गुजारना चाहते हैं। वहीं, कुछ लोग जीवन में रोमांस को ज्यादा तवज्जो देते हैं और एक से ज्यादा रोमांटिक रिश्ते पसंद करते हैं। इसी तर्ज पर ओपन मैरिज का कॉन्सेप्ट कपल्स के बीच काफी पसंद किया जा रहा है। ओपन मैरिज का चलन विदेशों में पहले से मौजूद था, लेकिन अब यह धीरे-धीरे भारत में भी लोकप्रिय हो रहा है ओपन मैरिज का सीधा मतलब यही है कि आप अपनी शादी के बाद भी दूसरे व्यक्ति के साथ रिश्ता बना सकते हैं और इसमें आपके पार्टनर की भी राजमंदी हो। लोगों का कहना है कि यह कॉन्सेप्ट इसलिए ट्रेंड में आया ताकि लोगों में कम से कम तलाक हो और वह एक-दूसरे से बोर ही न हों।

# भारत में घाटे के बजट भी और काले बजट भी आते रहे!



बड़े आर्थिक सुधार किए गए, जैसे लाइसेंस राज की समाप्ति, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को प्रोत्साहित करना और बाजार को अधिक उदार बनाना। हालांकि, इसके लिए सरकार को अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से ऋण लेना पड़ा। इस बजट का मुख्य उद्देश्य था भारतीय अर्थव्यवस्था को स्थिर करना और उसे वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना। इसके बाद 2008-09 में भी सरकार को भारी कर्ज लेना पड़ा। यह वह समय था जब वैश्विक आर्थिक मंदी अपने चरम पर थी। अमेरिका में आई वित्तीय गिरावट का प्रभाव पूरी दुनिया पर पड़ा, और भारत भी इससे अछूता नहीं रहा। तत्कालीन वित्त मंत्री पी. चिदंबरम ने इस बजट में कई राहत पैकेजों की घोषणा की, ताकि अर्थव्यवस्था को मंदी से बचाया जा सके। इस दौरान सरकार को विभिन्न योजनाओं और आर्थिक गतिविधियों को बनाए रखने के लिए भारी उधारी लेनी पड़ी। 2008-09 का वित्तीय घाटा 6 प्रतिशत तक पहुंच गया था, जबकि बजट में इसे मात्र 2.5 प्रतिशत दिखाया गया था। वैश्विक आर्थिक संकट के कारण निर्यात में गिरावट आई और सरकार को सामाजिक कल्याण योजनाओं में अधिक निवेश करना पड़ा। इस बजट का मुख्य उद्देश्य आर्थिक स्थिरता बनाए रखना और

भारतीय बाजार को वैश्विक संकट से बचाना था। हाल ही में, 2020-21 का बजट भी सबसे अधिक कर्ज वाले बजटों में शामिल माना जा सकता है। इस समय पूरी दुनिया कोविड-19 महामारी की चपेट में थी और भारत भी इससे अछूता नहीं रहा। महामारी के कारण देशव्यापी लॉकडाउन लगाया गया, जिससे आर्थिक गतिविधियां ठप हो गईं। इस दौरान सरकार को स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने, गरीबों को राहत देने और अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए भारी उधारी लेनी पड़ी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस बजट में कई राहत पैकेजों की घोषणा की, जिससे सरकार का राजकोषीय घाटा 9.5% तक पहुंच गया, जो अब तक का सबसे अधिक था। महामारी के कारण सरकारी खर्च में अत्यधिक वृद्धि हुई, और इस खर्च को पूरा करने के लिए सरकार को अधिक उधारी लेनी पड़ी। अगर हम इन तीनों बजटों की तुलना करें, तो यह स्पष्ट होता है कि प्रत्येक बजट एक विशेष आर्थिक संकट से निपटने के लिए लाया गया था। 1991-92 का बजट आर्थिक सुधारों की नींव रखने के लिए बुनाया गया था, जबकि 2008-09 का बजट वैश्विक मंदी के प्रभाव को कम करने के लिए था। वहीं, 2020-21 का बजट महामारी से उत्पन्न

वित्तीय संकट को संभालने के लिए बनाया गया था। इन तीनों ही बजटों में सरकार को अत्यधिक उधारी लेनी पड़ी, जिससे देश पर कर्ज का बोझ बढ़ा। इन तीनों बजटों से हमें यह सीख मिलती है कि सरकार को वित्तीय संकट के समय संतुलित दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। कर्ज लेना एक आवश्यक उपाय हो सकता है, लेकिन इसे जिम्मेदारी से प्रबंधित करना भी उतना ही जरूरी है। सरकार को नीतिगत सुधारों और आर्थिक प्रबंधन के माध्यम से सुनिश्चित करना चाहिए कि उधारी का सदुपयोग हो और इसे समय पर चुकाने की योजना भी बनाई जाए। इनके अलावा, भारत में कुछ बजट अत्यधिक घाटे और बढ़ते कर्ज के कारण ‘काला बजट’ के रूप में भी जाने जाते हैं। सबसे प्रसिद्ध ‘काला बजट’ 1973-74 में पेश किया गया था, जिसे तत्कालीन वित्त मंत्री यशवंतराव चव्हाण ने प्रस्तुत किया था। इस बजट में भारत का वित्तीय घाटा 550 करोड़ रुपये तक पहुंच गया था, जो उस समय की अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ी चिंता थी। इस दौरान वैश्विक तेल संकट और खाद्य संकट के कारण भारत को भारी वित्तीय दबाव का सामना करना पड़ा। इसी तरह, 1986-87 में वी.पी. सिंह द्वारा पेश किया गया बजट भी काला बजट कहा गया, क्योंकि इसमें भारी वित्तीय घाटा

था और सरकार को बड़े पैमाने पर उधारी लेनी पड़ी थी। इस बजट का मुख्य उद्देश्य कर सुधार और काले धन पर नियंत्रण था, लेकिन इसके बावजूद वित्तीय असंतुलन बना रहा। कई बार घाटे के बजटों की आलोचना भी की जाती है, क्योंकि वे भविष्य के वित्तीय संकटों का कारण बन सकते हैं। उदाहरण के लिए, 1991-92 के बजट ने भारत को आर्थिक सुधारों की दिशा में आगे बढ़ाया, लेकिन इसके कारण सरकारी उधारी और आत्मनिर्भर बढ़ा, जिससे कुछ लोगों को रोजगार सुरक्षा की चिंता सताने लगी। इसी तरह, 2008-09 के बजट ने भारतीय अर्थव्यवस्था को मंदी से बचा लिया, लेकिन इसके कारण सरकार पर वित्तीय बोझ बढ़ गया। 2020-21 का बजट भी महामारी के प्रभावों को कम करने में सहायक रहा, लेकिन इससे सरकारी उधारी अत्यधिक बढ़ गई, जिससे भविष्य में आर्थिक संतुलन बनाए रखना एक चुनौती बन सकता है। भारत की अर्थव्यवस्था अब अधिक विकसित और आत्मनिर्भर हो रही है, जिससे भविष्य में इस तरह की स्थिति से बचने की संभावना बढ़ रही है। हालांकि, वैश्विक और राष्ट्रीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सरकार को हमेशा एक दीर्घकालिक आर्थिक नीति बनानी चाहिए, ताकि देश को कर्ज के बोझ से बचाया जा सके और आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित की जा सके। देश के सामने मौजूदा परिस्थितियों और खास कर वित्तीय स्थिति तथा विकास की जरूरतों को देखते हुये निर्मला सीतारमण के सामने राजकोषीय घाटे को नियंत्रित करने और कर्ज के बढ़ते बोझ को कम करने की चुनौती है। उनके लिये वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों और घरेलू महंगाई को संतुलित रखते हुए खर्चों को सीमित करना आवश्यक होगा। सरकारी योजनाओं और बुनियादी ढांचे पर निवेश बनाए रखते हुए राजस्व बढ़ाने की रणनीति अपनानी होगी। सार्वजनिक उधारी को सीमित रखते हुए आर्थिक विकास को गति देने के उपाय करने होंगे। कर संग्रह बढ़ाने और वित्तीय घाटे को कम करने के लिए कर सुधारों और विनिवेश को प्रभावी बनाना जरूरी होगा।



# भाजपा विधायक विनायक गोयल का परिवारवाद के खिलाफ बयान

पार्टी अध्यक्ष से पत्नी को चुनाव नहीं लड़ाने की अपील

**गणेश वैष्णव । सिटी चीफ (छग)** जगदलपुर, चित्रकोट विधानसभा के विधायक विनायक गोयल ने भाजपा के जिला अध्यक्ष वेदप्रकाश पाण्डेय को एक पत्र भेज कर परिवारवाद के खिलाफ अपनी दृढ़ निष्ठा का परिचय दिया है। उन्होंने पत्र में यह अनुरोध किया है कि उनकी पत्नी को जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक-10 से चुनाव में पार्टी द्वारा नामित नहीं किया जाए। विधायक गोयल ने पत्र में कहा, मेरी पत्नी टेकामेठा की सरपंच पद का दायित्व निभाती रही हैं



और विधानसभा चुनाव में पार्टी

ने मुझे टिकट दिया, जिसके बाद मैं विधायक बनकर क्षेत्र की सेवा कर रहा हूँ। इस काम में मेरे परिवार का पूरा समर्थन है। हालांकि, हम कांग्रेस जैसी परिवारवादी परंपरा को बढ़ावा नहीं देना चाहते। विधायक गोयल ने यह भी कहा, पूर्व विधायक दीपक बैज अपने पूरे परिवार को चुनाव में उतार रहे हैं, लेकिन हम ऐसी परंपरा को अपना नहीं चाहते। मैं एक सामान्य पार्टी कार्यकर्ता हूँ और मेरा निवेदन है कि इस समर्थन को किसी अन्य भाजपा के

सक्रिय कार्यकर्ता को दिया जाए। इससे पार्टी में उन कार्यकर्ताओं का विश्वास कायम रहेगा, जो जी-जान से पार्टी की सेवा में लगे हुए हैं। उन्होंने इस पत्र के माध्यम से पार्टी नेतृत्व को यह संदेश दिया कि भाजपा हमेशा अपने सक्रिय कार्यकर्ताओं के मेहनत और समर्पण को प्राथमिकता देती है, और वह किसी भी प्रकार के परिवारवाद को बढ़ावा नहीं देना चाहती है। विधायक गोयल के इस बयान की न सिर्फ भाजपा बल्कि कांग्रेस में भी प्रशंसा हो रही है।

# मृतक के परिजनों के लिए चार-चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत

**गणेश वैष्णव । सिटी चीफ (छग)** नारायणपुर, राजस्व पुस्तक परिपत्र खण्ड 6-4 के तहत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशन में अपर कलेक्टर श्री बीरेन्द्र बहादुर पंचभाई द्वारा पीड़ित परिवार के परिजनों को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत दी गई है। मृतिका इतवारिन बाई, पति शम्भु पोटाई, निवासी ग्राम केरलापाल की मृत्यु 07 सितम्बर 2024 को नाला में डूबने के कारण, मृतिका धनमत, पति माहरू, निवासी ग्राम बोरण्ड की मृत्यु 21 सितम्बर 2024 को तालाब के पानी में डूबने और मृतिका नकरी पोयाम, पति स्व. पुसूराम पोयाम, निवासी ग्राम



जाटलूर की मृत्यु 27 अक्टूबर 2024 को सर्प काटने के कारण हुई थी। मृतिका इतवारिन के निकटतम वारिस पति शम्भु पोटाई, धनमत के निकटतम वारिस पुत्र राजलाल तथा नकरी के निकटतम वारिस पुत्र मुराराम पोयाम हेतु 4-4 लाख

रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। उक्त स्वीकृत सहायता राशि का भुगतान तहसीलदार नारायणपुर को राशि बैंक ड्राफ्ट या चेक के माध्यम से एक सप्ताह के भीतर कराने निर्देशित किया गया है।

## पुलिस ने अवैध स्मैक की तस्करी में एक महिला अभियुक्ता सहित कुल तीन नशा तस्कर अभियुक्तों को किया गिरफ्तार कब्जे से कुल 415 ग्राम अवैध स्मैक (अनुमानित कीमत करीब 50 लाख रुपये), 6140/- रुपये नकद व अन्य सामान बरामद किया

**गौरव सिंघल । सिटी चीफ (उग्र)** सहारनपुर, शहर कोतवाली पुलिस ने 50 लाख रुपये की स्मैक के साथ दो देवर और उनकी भाभी को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 415 ग्राम स्मैक, नकदी और पैकिंग का सामान मिला है। यह तस्कर बरेली से स्मैक लाकर सहारनपुर में सप्लाई करते थे। पुलिस लाइन में एसपी सिटी व्योम बिंदल ने बताया कि शहर कोतवाली पुलिस ने चैकिंग के दौरान मोहल्ला नूरबस्ती में मुस्तफा के मकान पर छापा मारा। तीन आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपियों के नाम मुस्तफा, उसका सगा भाई भूरा उर्फ रईस और उनकी भाभी नवाबो है। पृष्ठताछ में आरोपियों ने बताया कि उनका परिवार लंबे समय से स्मैक की तस्करी का काम करता है। उनके भाई सोनू उर्फ शकील के घर पर पुलिस लगातार दबिश दे रही थी, जिस कारण उसने स्मैक का काम दूसरे मकान में शिफ्ट कर दिया था।



परिवार के सभी लोग स्मैक बेचने में लग गए थे। कुछ दिन पहले सोनू बरेली से शमीम नाम के व्यक्ति से स्मैक खरीदकर लाया था। उन्होंने स्वीकार किया कि वह स्मैक को छोटे-छोटे पाउच में पैक कर बेचते हैं और इससे अच्छा काम करता है। सभी घर में उर्फ शकील के घर पर पुलिस लगातार दबिश दे रही थी, जिस कारण उसने स्मैक का काम दूसरे मकान में शिफ्ट कर दिया था।

इलेक्ट्रॉनिक कांटे, पांच लाइटर और अन्य सामान बरामद किया है। एसपी सिटी व्योम बिंदल ने बताया कि गम्फूर का पूरा परिवार स्मैक की तस्करी में लिप्त है। फिलहाल पुलिस ने मुस्तफा, भूरा उर्फ रईस और उनकी भाभी नवाबो को पकड़ा है। सोनू उर्फ शकील, नवाबो के पति मुस्तकीम और मुस्तफा की पत्नी शहरोज फरार है। इनमें सोनू मुख्य नशा तस्कर है, जो बरेली से स्मैक लाता है।

## सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मानसिक स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन शिविर में मानसिक बीमारी के लक्षण और इससे बचाव के उपाय बताए गए



**गौरव सिंघल । सिटी चीफ (उग्र)** देवबंद (सहारनपुर), सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मानसिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन हुआ। जिसमें मानसिक बीमारी के लक्षण और इससे बचाव के उपाय बताए गए। शिविर का शुभारंभ सीएमओ डा. प्रवीण कुमार ने किया। उन्होंने कहा कि मानसिक बीमारी के कई कारण हो सकते हैं। नशा, अवसाद, मिर्गी, मानसिक मंदबुद्धि आदि कारणों से मानसिक विकार उत्पन्न होते हैं। जिला मानसिक रोग विशेषज्ञ डा. ख्वाजा खय्याम ने कहा कि मानसिक रोग का इलाज कराना अत्यंत आवश्यक है। मानसिक रोग होने पर विशेषज्ञ

से मिलें और इसका इलाज अवश्य कराएं। मानसिक स्वास्थ्य प्रकोष्ठ की जिला नोडल अधिकारी डा. शिवांका गौड़ ने कहा कि किसी भी प्रकार की मानसिक परेशानी होने पर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर चिकित्सक से संपर्क करें। इस दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर पालिकाध्यक्ष विपिन गर्ग, डा. सुखपाल सिंह, भाजपा नगराध्यक्ष अरुण गुप्ता, चिकित्साधीक्षक डा. रियंका चौधरी, डा. संजीव कुमार, डा. आशुतोष, डा. अनुज चौहान, सभासद विपिन त्यागी, अजय गांधी आदि मौजूद रहे।

# अधिकारी लक्ष्य के पीछे न भागें, पात्र एवं वचितों को लाभ दें - अटल कुमार राय मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में सीएम डैश बोर्ड पर विकास कार्यों की बैठक हुई संपन्न

**गौरव सिंघल । सिटी चीफ (उग्र)** सहारनपुर, मंडलायुक्त अटल कुमार राय की अध्यक्षता में सर्किट हाउस सभागार में सीएम डैश बोर्ड के आधार पर माह दिसंबर के लिए विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आहूत की गई। मण्डलायुक्त अटल कुमार राय ने श्रम विभाग को निर्देश दिए कि सभी निर्माण श्रमिकों को भूकंप रोधी भवन बनाने हेतु प्रशिक्षण दिया जाए। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के बाद उन श्रमिकों को प्रमाण पत्र दिया जाए। उन्होंने सभी कार्यदाई संस्थाओं को निर्देश दिए कि भवन निर्माण संबंधी कार्यों में इन श्रमिकों को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने विद्युत विभाग को निर्देश दिए कि विद्युत उपभोक्ताओं को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं के गलत विद्युत बिलों को न्यूनतम किया जाए। ओटीएस योजना का विभिन्न माध्यमों से वृहद प्रचार-प्रसार किया जाए। पंचायत सहायकों के माध्यम से भी विद्युत बिल जमा किए जाएं जिससे आमजन को अनावश्यक कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़े। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा किए गए कार्यों का समय से भुगतान किया जाना सुनिश्चित करें। विभिन्न विभागों द्वारा बनाई गई सड़कों के डुलरीकेशन से बचने के लिए ऑनलाइन जिओ टैगिंग करना सुनिश्चित करें। मोबाइल मेडिकल यूनिट के भ्रमण की समय सारणी का प्रचार-प्रसार किया जाए। उन्होंने जल निगम को निर्देश दिए कि जल जीवन मिशन के तहत तोड़ी गई सड़कों को गुणवत्तापूर्ण तरीके से रेस्टोरेट किया जाए। उन्होंने जल जीवन मिशन की कार्यशैली पर सख्त नाराजगी व्यक्त करते हुए कार्यशैली में सुधार करने का निर्देश दिए। पाइपलाइन लिंकेज के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में सुधार के दृष्टिगत हेल्पलाइन नम्बर लिखना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने रैंकिंग में सुधार लाने के निर्देश दिए। प्राथमिक विद्यालयों में



शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के सख्त निर्देश दिए। निपुण परीक्षा के तहत खराब रैंकिंग वाले विद्यालयों के शिक्षकों को चिन्हित कर उन्हें नोटिस जारी किया जाए। साथ ही अच्छा कार्य करने वाले विद्यालयों के शिक्षकों को प्रोत्साहित कर सम्मानित भी किया जाए। कस्तूरबा गांधी विद्यालय की बच्चियों को जनपद स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाए ताकि इनका समय विकास हो सके। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर ध्यान दिया जाए। अध्यापक बच्चों को आकर्षित करने वाले कम्प्यूटरीकेशन की योजनाओं में निरस्त आवेदनों की रैण्डमली जांच करवाई जाए ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति योजना के लाभ से वंचित न हो। उन्होंने कहा कि मण्डल की रैंकिंग उच्चतर स्तर पर रहे इसके लिए सभी मण्डलीय एवं जनपद स्तरीय अधिकारी निरंतर प्रयास करें। निर्देशित करते हुए कहा कि सरकार की मंशा है कि संचालित योजनाओं का लाभ समयबद्धता के साथ पात्र व्यक्ति एवं परिवार को मिले। 15 वित्त आयोग के लिए क्षेत्र पंचायत एवं जिला पंचायत की एक बैठक

बुलाकर सीडीओ समीक्षा करें। तीनों जनपद टॉप 10 रैंक में रहे यह सभी मण्डल स्तरीय अधिकारी सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि मण्डल स्तरीय अधिकारी जिला स्तरीय कार्यालयों का निरीक्षण कर निरीक्षण आख्या भी उपलब्ध कराएं। मण्डलायुक्त अटल कुमार राय ने विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि आमजन की शिकायतों को दूर करें इस हेतु सभी अधिकारी अपनी कार्यपद्धति में सुधार लाएं। पीएम कृषक सम्मान निधि में संतोषजनक प्रगति न होने पर नाराजगी व्यक्त की। डे एनआरएलएम बैंक क्रेडिट लिंकेज की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि समूह की आर्थिक गतिविधियों को बढ़ाने हेतु प्रदर्शनियों में मौका दिया जाए। इनकी खराब रैंकिंग के लिए सीडीओ, उपायुक्त एनआरएलएम एवं बीडीओ की गहन समीक्षा करें। निर्देश दिए कि पंडित दीन दयाल उपाध्याय सोलर लाईट कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान उन्होंने निर्देश दिए कि सभी लाईटें क्रियाशील हों तथा उनपर टोलफ्री नम्बर अंकित हो। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी शामली विनय तिवारी, अपर आयुक्त प्रशासन रमेश यादव, संयुक्त विकास आयुक्त ओम प्रकाश सिंह, डीएफओ श्वेता सैन, अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, सिंचाई विभाग, जल निगम सहित संबंधित विभागों के मण्डल एवं जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

## कटनी में व्यापारी पर हमले के खिलाफ अनिश्चितकालीन हड़ताल विधायक ने थाना प्रभारी को लगाई फटकार



**सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी,** कटनी जिले के माधवनगर निवासी एक व्यापारी के साथ कुख्यात आरोपियों के द्वारा लूट और चाकू से हमला कर घायल करने के मामले में माधवनगर के रहवासी और व्यापारी वर्ग के लोगों ने अनिश्चित कालीन दुकान बंद कर हड़ताल बैठ गए थे। इस धरने के दौरान मुड़वारा विधायक संदीप जायसवाल भी मौके पर पहुंच गए और जमकर माधवनगर थाना प्रभारी अनूप सिंह की माधवनगर थाना क्षेत्र के निवासियों के सामने जमकर फटकार लगाई जिसका वीडियो भी सामने आया है। दरअसल यह कल देर रात्रि कटनी के कोतवाली थाना क्षेत्र में बीती रात बाहरी अपराधियों द्वारा माधवनगर निवासी राकेश मोटवानी अपने दुकान बंद कर घर की तरफ आने के लिए अपनी गाड़ी के पास पहुंचा ही था तभी वहां कटनी जिले के अपराधी राहुल बिहारी, करण बिहारी और विनय विरबानी के साथ कई असामाजिक तत्व उनके पास पहुंचे और बंदूक की नोक के साथ राकेश मोटवानी के साथ मारपीट करते हुए चाकू से वार किया और उसके पास रखे रुपयों और कई कीमती सामान लूट मौके से फरार हो गए। इस हमले में घायल राकेश मोटवानी को गंभीर चोटों के साथ अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां से उसे सीधे जबलपुर के

एक प्राइवेट रेफर कर दिया गया है जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है आक्रोषित माधवनगर के सभी व्यापारी अनिश्चित कालीन के लिए माधवनगर बंद धरने पर बैठे हुए हैं। इन सभी व्यापारियों और घायल परिजनों की मांग है कि जल्द ही अपराधियों को अरेस्ट किया जाए। जिसको देखते हुए मुड़वारा विधानसभा के बीजेपी विधायक संदीप जसवाल भी अपने समर्थकों के साथ धरना स्थल पर पहुंच गए और माधवनगर थाना प्रभारी अनूप सिंह की जमकर फटकार लगाया। कोतवाली थाना प्रभारी आशीष शर्मा ने बताया कि कल रात्रि माधवनगर निवासी राकेश मोटवानी दुकान बंद कर घर की तरफ आने के लिए अपनी गाड़ी के पास पहुंचा ही था कि वहां कटनी जिले के संगीन अपराध के मामलों का अपराधी राहुल बिहारी, करण बिहारी और विनय विरबानी उनके पास पहुंचे और बंदूक की नोक के साथ राकेश मोटवानी के साथ मारपीट करते हुए चाकू से वार किया और उसके पास रखे रुपयों और कई कीमती सामान लूट मौके से फरार हो गए। इस हमले में घायल राकेश मोटवानी को गंभीर चोटों के साथ अस्पताल में चला रहा है। वहीं अपराधियों के खिलाफ नामजद मामला दर्ज कर अपराधियों की तलाश की जा रही है और जल्द ही उन्हें अरेस्ट कर लिया जाएगा।

## वृक्षारोपण 2025 के लिए सभी विभाग भूमि चयन कर दें जानकारी : डीएम मनीष बंसल जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई जिला पर्यावरण एवं गंगा समिति की बैठक



**गौरव सिंघल । सिटी चीफ (उग्र)** सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला पर्यावरण, वृक्षारोपण और गंगा समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने वृक्षारोपण 2025 के लिए निर्धारित लक्ष्य 33,44,280 के लिए सभी विभागों को शीघ्र भूमि चयन करने के साथ जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके साथ वृक्षारोपण के लिए भूमि चयन करते समय सभी विभागों को निर्देश दिए कि जल स्रोतों के निकट की भूमि को प्राथमिकता दी जाए। जनपद में विगत वर्ष हुए जियो टैगिंग पूर्ण करने के निर्देश उन सभी विभागों को दिए जिन्होंने अभी तक शत-प्रतिशत टैगिंग नहीं की। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने कैलाशपुर वेटलैंड की सफाई एवं सौंदर्यकरण के लिए बनाए गए मॉडल पर विशेषज्ञों के साथ चर्चा कर बेहतर निस्तारण करने के निर्देश दिए। इसके लिए

डीपीआरओ को उपजिलाधिकारी सदर के साथ बैठक करने के भी निर्देश दिए। डीएम मनीष बंसल ने जनपद में प्लास्टिक का एकत्र करने के लिए चलाए जा रहे अभियान में तेजी लाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के खुले मैदानों में पड़े वेस्ट प्लास्टिक को एकत्रित करने के निर्देश दिए। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत समस्त ब्लॉक, वार्ड एवं गांव में प्लास्टिक एकत्र करने का अभियान चलाया जाए जिसमें समस्त विभाग के अधिकारियों की सहभागिता भी रहे। उन्होंने और अधिक वेस्ट प्लास्टिक कलेक्शन के लिए नगर निगम, निकाय, ब्लॉक और ग्राम पंचायतों को निर्देश दिए। इकठ्ठा प्लास्टिक का उपयोग करने के लिए सभी निकायों को उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। बैठक में डीएफओ शुभम सिंह, पीडी डीआरडी प्रणय कृष्ण, जिला पंचायत राज अधिकारी आलोक कुमार, सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

## चोरी गया सामान सहित पांच गिरफ्तार



**मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ शहडोल,** जैतपुर थाना क्षेत्र के बिरौड़ी गांव में घर का ताला तोड़कर हजारों रुपए की चोरी की वारदात बीते दिनों हुई थी, जिस पर पुलिस ने अब खुलासा कर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है, पकड़े गए आरोपियों से पुलिस ने चोरी का सामान भी बरामद किया है। दरअसल घटना बीते दिनों संतोष सिंह के घर में हुई थी जब वह अपने परिवार के साथ अपने रिश्तेदारी में गए हुए थे तभी सुने घर का ताला तोड़कर आरोपियों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया था छ घर में रखे सोने चांदी के कीमती जेवरात एवं नगद रुपए चोरी हुए थे। पुलिस ने मामले पर खुलासा कर बताया कि बिरौड़ी गांव में कुछ लोग चोरी के कुछ दिनों बाद अचानक गांव से लापता हो गए तो गांव के लोगों को कुछ संदेह हुआ। जिस पर एक आरोपी पर पुलिस ने नजर

रखी जिसे पृष्ठताछ के लिए पुलिस ने पहले हिरासत में लिया और कड़ी पृष्ठताछ में आरोपी ने चोरी करना स्वीकार किया जिसके बाद पुलिस ने उसके अन्य साथियों को भी गिरफ्तार कर मामले पर खुलासा कर दिया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात के विरुद्ध मामला दर्ज कर विवेचना में लिया था। पुलिस ने संदेह के आधार पर करण सिंह चंदेल 20 वर्ष को हिरासत में लेकर पृष्ठताछ की तो अपने साथियों के साथ चोरी करना स्वीकार किया। आरोपी की निशानदेही पर ईश्वरप्रसाद गुप्ता, ओमप्रकाश सोनी उर्फ लाला, रामकुशल गुप्ता एवं रामकुमार गुप्ता सभी निवासी ग्राम बिरौड़ी को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के कब्जे से चोरी का मशरूका लगभग जब्त हुआ। इस कार्यवाही में जैतपुर थाना प्रभारी के साथ उनकी टीम की भूमिका सराहनी रही।



# श्रद्धेय अटल जन्मशताब्दी पर होंगे 19 मंडलो में आयोजन

## भाजपा कार्यालय की बैठक संपन्न, जिला टोली हुई घोषित

**मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ** शहडोल, भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई की जन्म शताब्दी वर्ष 2025 को लेकर कमला नगर स्थित जिला भाजपा कार्यालय में भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा ने जिला टोली के साथ की बैठक उन्होंने ने बताया बताया कि भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई जी का जन्म शताब्दी वर्ष है अटल जयंती 25 दिसंबर को सुशासन दिवस के रूप में मनाई गई इस अवसर पर बुध, मंडल जिला, प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर अनेको कार्यक्रम व्यापक रूप से संपन्न हुए हैं अटल स्मारक ‘सदैव अटल’ नई दिल्ली पर श्रद्धांजलि एवं प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया । भारत के माननीय राष्ट्रपति माननीय उपराष्ट्रपति माननीय प्रधानमंत्री माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष सहित केंद्रीय मंत्रिगण के साथ-साथ एनडीए के नेतागण एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने सभा में भाग लिया इसी क्रम में अटल जन्म शताब्दी को लेकर 14 जनवरी से 15



मार्च 2025 तक श्रद्धेय अटल स्मृति में निम्नलिखित कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा छ जन्म शताब्दी कार्यक्रम को लेकर भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा ने जिला टोली की घोषणा की है जिसमें उन्होंने शहडोल जिले के वरिष्ठ भाजपा नेता पूर्व जिला महामंत्री कैलाश तिवारी जिला संयोजक, दीपक शर्मा एवं मनोज सिंह आर्मी को सहसंयोजक, विनय

केवट को भाजपा जिला मीडिया प्रभारी एवं राजीव शर्मा को सोशल मीडिया जिले का सदस्य बनाया गया है बैठक में भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा ने अटल जन्मशताब्दी कार्यक्रम को लेकर विस्तार से चर्चा की एवं शहडोल जिले के 19 मंडलों में टोली बनाकर अटल जी की जन्म शताब्दी कार्यक्रम को वृहद रूप से करने का मार्गदर्शन दिया ।

उक्त नियुक्ति पर भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा जिला उपाध्यक्ष सुशील शर्मा, संजीव प्रताप सिंह, भूपेंद्र मिश्रा शीतल पोद्दार, जिला महामंत्री संतोष लोहानी, वरिष्ठ भाजपा नेता योगेंद्र चतुर्वेदी, राकेश सोनी भाजपा जिला कोषाध्यक्ष मनोज गुप्ता, नगर अध्यक्ष प्रियम त्रिपाठी सहित भाजपा कार्यकर्ताओं ने बधाई दी है ।

## थाना बिजुरी द्वारा जुए के फड पर रेड कार्यवाही कर कुल 121000 रुपये नगदी और कुल 2100000 रुपये का मशरूका किया जप्त



**सुशिल सोनी । सिटी चीफ** अनूपपुर, श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय अनूपपुर द्वारा अवैध गतिविधियों जुआ सट्टा पर प्रभावी कार्यवाही हेतु आदेशित किया गया है जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय के द्वारा नियमित मार्गदर्शन दिया जाता है दिनांक 30.01.25 को बिजुरी पुलिस को मुखबिर की सूचना प्राप्त हुई कि कनई नदी के पास जंगल मे ग्राम भाटाडांड मे कुछ जुआडियों द्वारा हार जीत का दाव लगाकर जुआ खेल रहे है । जुआ फड खुले स्थान पर संचालित होने के कारण घेराबंदी के लिए अतिरिक्त बल की आवश्यकता है अतः श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय के द्वारा थाना रामनगर एवं पुलिस लाइन अनूपपुर से अतिरिक्त बल प्रदाय किया तथा एसडीओपी कोतमा श्रीमती आरती साक्व, एसडीओपी अनूपपुर श्री सुमित केरकेट्टा महोदय के सक्रिय मार्गदर्शन पर मुखबिर के बताए स्थान पर रेड कार्यवाही की गई जो मौके से जुआडियान 1- दीपक उर्फ दीपू सिंह पिता दिनेश ब्रह्मादुर सिंह उम्र 34 वर्ष निवासी शाजपुर नगर बदर 2- रामू शर्मा पिता राजेन्द्र प्रसाद शर्मा उम्र 36 वर्ष निवासी कोठी 3- रवि शंकर रजक उर्फ गोलू पिता दुखीलाल रजक उम्र 31 वर्ष निवासी बाजार दफाई भालुमाडा 4- कृष्णावतार गुप्ता पिता चंद्रिका प्रसाद गुप्ता उम्र 42 वर्ष निवासी वार्ड क्र 02 पोडगी बैकुण्ठपुर जिला कोरिया छ.ग. 5- लाला बैगा पिता बट्टलाल बैगा उम्र, 30 वर्ष निवासी पयासी चौकी फुनगा 6- रुपसाय केवट पिता रतन केवट उम्र 32 वर्ष निवासी

बदरा 7- अबू तोशियान पिता मो. इब्नार उम्र 35 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 14 लहसुई थाना कोतमा 8- जय प्रकाश मिश्रा पिता गणेश मिश्रा उम्र 42 वर्ष निवासी बुढहानपुर थाना कोतमा 9- रामनारायण रजवाडे पिता शिवमंगल राजवाडे उम्र 44 वर्ष निवासी खोपा चौकी करंजी थान विश्रामपुर जिला सूरजपुर छ.ग. 10 मोहम्मद मुस्ताक पिता मोहम्मद सफीक उम्र 44 वर्ष निवासी वार्ड क्रमाक 10 रामनगर को जुआ खेलते हुए रंगी हाथ पकडा गया तथा उनसे पृछताछ के दौरान उन्होने बताया कि अतुल मिश्रा निवासी बदरा, पप्पू मिश्रा निवासी पसाना, सरताज निवासी कोतमा , एवं टिबलू जयसवाल निवासी बिजुरी के द्वारा यहा पर व्यवस्था मुहैया कराकर जुआ का फड बिठाया जा रहा है एव पुलिस को देखकर वे सभी पैसा लेकर भाग गये। जुए की फड से कुल नगदी रकम 121000/- रुपये, 10 नग मोबाईल फोन, 1 नग स्कार्पियो, एवं 8 नग मोटर सायकल कुल मशरूका 2100000/- रुपये जप्त किया जाकर थाना बिजुरी मे अपराध 29/25 धारा 13 जुआ एक्ट का पंजीबद्ध कर अनुसंधान किया जा रहा है। उक्त कार्यवाही मे निरीक्षक विकास सिंह, उनि सुमित कौशिक, उनि मानिम टोप्पो, सउनि कमलेश तिवारी, रविशंकर , रामहर्ष पटेल, प्रआर. सतीष मिश्रा, बृजभान सिंह ,आर. लक्ष्मण डांगी, आनंद, विश्वजीत मिश्रा, करमजीत, मनोज उपाध्याय, रजनीश तिवारी की उल्लेखनीय भूमिका रही ।

## बंदूक से गोली चलाकर हत्या का प्रयास करने वाले आरोपियों को सजा

**भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ** शाजापुर, बंदूक से गोली चलाकर हत्या का प्रयास करने वाले आरोपियों को न्यायालय ने कारावास एवं अर्धदंड की सजा से दंडित किया है। एडीपीओ सचिन रायकवार ने बताया कि प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश के अतिरिक्त न्यायाधीश एवं विशेष न्यायाधीश अजा एवं अजजा अत्याचार निवारण अधिनियम शाजापुर द्वारा आरोपी ईश्वरसिंह पिता बाबूलाल गुर्जर उम्र 26 वर्ष निवासी ग्राम गोपीपुर जिला शाजापुर को धारा 307 भादवि में 03 वर्ष 03 माह 27 दिन के कठिन कारावास एवं 5000 रुपये अर्धदंड, धारा 25(1बी)(ए) एवं धारा 27 आयुध अधिनियम में 03-03 वर्ष के कठिन कारावास तथा 1000-1000 रुपये अर्धदण्ड से दण्डित किया है। साथ ही आरोपी तूफान उर्फ लाखन गुर्जर पिता भगवानसिंह उम्र 40 वर्ष एवं प्रेम सिंह पिता गोलाराम गुर्जर उम्र 56 वर्ष सभी निवासी ग्राम गोपीपुर जिला शाजापुर को धारा 323/34(तीन काउंट) भादवि में दो-दो माह के कठिन कारावास एवं 1000-1000 रुपये अर्धदण्ड से दण्डित किया है। अतिरिक्त जिला लोक अभियोजन अधिकारी रमेश सोलंकी ने बताया कि फरियादिया रामकुंवरबाई ग्राम गोपीपुर में रहती है और गांव में उसके पास पांच बीघा जमीन है। उसके जेट करणसिंह की जमीन बाबूलाल गुर्जर

ने खरीदी थी जो उनके खेत के पास है। दिनांक 21 अक्टूबर 2018 को फरियादिया का पति जगदीश, पुत्र रामचरण, हाली रामबाबू खेत में गेहूं में पानत फेर रहे थे। करीब 11 बजे फरियादिया रोटी लेकर खेत पर गई थी तो पास में खेत पर बाबूलाल का पुत्र ईश्वर ट्रैक्टर से उसका खेत बखर रहा था। ईश्वर बंदूक लेकर प्रेमसिंह गुर्जर, तूफानसिंह के साथ फरियादिया के खेत पर आए। ईश्वर बोला कि तुम्हारी जमीन 80 हजार रुपये बीघा में दे दो, तो उन्होंने मना कर दिया। इस पर ईश्वर, प्रेमसिंह व तूफान तीनों ने गालियां देना शुरू कर दी और ईश्वर ने बंदूक से फरियादिया के पुत्र रामचरण पर जान से मारने की नीयत से गोली चलाई जो उसके पसली में दाहिनी तरफ लगी। इसके बाद बंदूक प्रेमसिंह ने ईश्वर से छुड़ाकर गोली उसके पति जगदीश को मारी जो बाएं कंधे पर लगी। उनके नौकर रामबाबू ने बीच बचाव किया तो उसे तूफानसिंह ने डण्डे से सिर में चोट पहुंचाई। वहीं फरियादिया के साथ भी लाठी से मारपीट की गई। थाना कोतवाली शाजापुर पुलिस ने विवेचना के दौरान आरोपियों को गिरफ्तार कर संपूर्ण अनुसंधान उपरांत आरोपियों के विरुद्ध अभियोग पत्र सक्षम न्यायालय में प्रस्तुत किया। न्यायालय ने अभियोजन के द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य एवं तर्कों से सहमत होते हुए आरोपियों को दण्डित किया।

# सेवानिवृत्ति पर दी गई विदाई

**भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ** शाजापुर, पुलिस विभाग के उप निरीक्षक मुन्नालाल कुड़ापे एवं सहायक उप निरीक्षक मानसिंह परमार शुक्रवार को सेवानिवृत्त हुए। इस दौरान पुलिस विभाग की ओर से विदाई समारोह आयोजित कर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक टीएस बघेल ने उन्हें शाल, श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर पुलिस विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।



# कोतवाली पुलिस ने अवैध शराब परिवहन के मामले में आरोपी को किया गिरफ्तार

**भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ** शाजापुर, क्षेत्र में सक्रिय अवैध शराब परिवहन करने वाले अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई हेतु पुलिस अधीक्षक यशपालसिंह राजपूत द्वारा लगातार समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया जा रहा है, जिसको लेकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक टीएस बघेल के निर्देशन में थाना प्रभारी कोतवाली संतोष वाघेला के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। इस दौरान थाना कोतवाली पुलिस ने 30 जनवरी 2025 को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर लाहोरी बड़ला नयागांव जाने वाली कच्ची सड़क



पर बिना नम्बर प्लेट की काले लाल रंग की होन्डा शाइन को रोका और बाइक पर दोनों तरफ दो प्लास्टिक की सफेद रंग की थैलियां रस्सियों से बंधी मिलीं। बाइक चालक ने अपना नाम नितेश पिता घनश्याम चौहान उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम रूलकी थाना बेरछा का होना बताया। तलाशी लेने पर बाइक पर बंधी थैलियों से अवैध देशी प्लेन शराब की 03-03 पेटियां तथा बाइक के इंजिन नंबर एवं चेचिस नंबर घीसे हुए थे। पुलिस ने अवैध शराब की कुल 06 पेट्टी एवं बिना नम्बर की बाइक को जप्त किया। आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

# किसी अनहोनी की राह तकती कोतवाली पुलिस

महिला सुरक्षा को लगा पलीता

**मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ** शहडोल, हमें स्वीकारना होगा कि सारे मानवीय संबंधों में क़रूरता बढ़ती जा रही है, जहां तक महिलाओं का प्रश्न है, तो उनके खिलाफ बढ़ती नृशंसता का कारण है उनका सामने से पलटवार करने की स्थिति में नहीं होना, इसी कारण उनके व बच्चों के साथ कहीं ज्यादा हिंसक अपराध को अंजाम दिया जाता है. जैसा दिल्ली के कंझावला मामले में हुआ, इस तरह की बर्बरता को अंजाम देने वाले लोगों की संख्या दिनों-दिन बढ़ती जा रही है, शहडोल जिले में भी एक ऐसा मामला देखने को मिला है यहां जारी दबंगई भूमिकाया, आवतन अपराधी अभिषेक मिश्रा के इशारो में किया जा रहा है, शिकायतकर्ता एवं समाजसेवी गीता सिंह ने जिला प्रशासन को प्रमाणित दस्तावेज उपलब्ध करते हुए कहा है कि मुख्यालय पर ही पुलिस महिला उत्पीड़न रोकने में फेल साबित हो रही है।



**क्या कहता प्रणाम कानून में सकृती** हमारे समाज में महिलाओं की स्थिति को लेकर सरकारों को अपनी जवाबदेही समझनी चाहिए और संवेदनशील होना चाहिए. पर देखने में आता है कि जब भी इस तरह की कोई घटना घटती है, तो विभिन्न एजेंसियां, जिन्हें महिला सुरक्षा के लिए काम करना चाहिए, वे लड़कियों को कटघरे में खड़ा करने की कोशिश में जुट जाती हैं. जबकि उनकी प्राथमिकता यह पता

करना होना चाहिए कि अपराध किसने किया, उसने इतनी नृशंसता करने की कैसे सोची और अपराधी को सजा मिले. इस कारण कानून-व्यवस्था को लेकर अपराधियों के मन में किसी तरह का डर-भय नहीं रह गया है। **क्या कहता है अधिनियम ...** बीएनएसएस की धारा 398 के तहत प्रावधान जो गवाह संरक्षण योजनाओं, बयानों की रिकॉर्डिंग में उत्तरजीवी-केंद्रित प्रावधान पेश करते हैं बीएनएसएस की धारा 176(1), धारा 179, धारा 193(3) और 195] गवाहों को खतरों से बचाने की महत्वपूर्ण आवश्यकता को स्वीकार करते हुए और डराना-धमकाना और बीएसए की धारा 2(1)(डी) जो अब ईमेल, कंप्यूटर, लैपटॉप या स्मार्टफोन पर

दस्तावेजों, संदेशों और इलेक्ट्रॉनिक या डिजिटल रिकॉर्ड को सक्षम बनाती है। दस्तावेजों की परिभाषा के तहत डिजिटल उपकरणों पर संग्रहीत वॉयस मेल संदेशों को महिलाओं को उत्पीड़न से बचाने के लिए भी संदर्भित किया जा सकता है। बीएनएस 2023 की धारा 75 और 79 उत्पीड़न के खिलाफ अतिरिक्त कानूनी सुरक्षा प्रदान करती हैं, जिसमें अवांछित रूप से रंगीन टिप्पणियां और किसी महिला की गरिमा का अपमान करने के उद्देश्य से शब्द, इशारा या कार्य जैसे कृत्य शामिल हैं। कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न का सामना करने वाली ऐसी महिला के पास इन प्रावधानों के तहत शिकायत दर्ज करने का विकल्प है।

# एमएलबी विद्यालय में हुआ कैरियर काउंसलिंग का आयोजन

**भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ** शाजापुर, शासन की मंशानुसार एवं कलेक्टर ऋतु बाफना के निर्देशानुसार शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चर माध्यमिक विद्यालय में शुक्रवार को कैरियर काउंसलिंग का आयोजन किया गया। कैरियर काउंसलिंग में बीकेएसएन कालेज के प्राचार्य डॉ बीएस विभूति एवं मनोविज्ञान एवं विषय विशेषज्ञों के द्वारा कैरियर के विभिन्न विषयों पर छात्राओं को जानकारी दी गई। इस दौरान विद्यार्थियों को बताया गया कि लक्ष्य को ध्यान में रखकर कैरियर का चुनाव करना चाहिए। कार्यक्रम में शिक्षण, शारीरिक क्रिडा, उच्च शिक्षा रचनात्मक लेखन, इंजीनियर टेक्निकल एवं साइंस से संबंधित डॉनकल, पेरामेडीकल जैसे डॉक्टर, नर्स, फार्मासिस्ट, प्रशासनिक अधिकारी, तकनीक के क्षेत्र में कम्प्यूटर प्रोग्रामर,



आईटीआई, पॉलिटेक्निक, इंजीनियर, मनोदशा तथा सकारात्मकता पर संवाद किया गया। साथ ही विद्यार्थियों को स्वयं का व्यवसाय एवं शासन की विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान डॉ अशोक सलोकिया, डॉक्टर रितेश शर्मा, अर्पित सक्सेना, जोगेंद्र भारतीय ने भी छात्राओं को मार्गदर्शन दिया। इस अवसर पर

विद्यालय प्राचार्य पूनम त्रिवेदी, मनमोहन साल्वे, संगीता अग्रवाल, ज्योति जैन, मुकेश दुबे, मधु कुरैशी, रहनुमा कुरैशी, राजेंद्र नामदेव, राणा सैयद, सरिता मालवीय, कमलेश पाटीदार, राधेश्याम सूर्यवंशी सहित बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित थीं। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ व्याख्याता सज्जाद अहमद कुरैशी ने किया।



## ग्राम पंचायत रत्नी, जनपद पंचायत थांदला के पूर्व सरपंच एवं सचिवों के विरुद्ध वसूली के आदेश

झाबुआ

**कार्य में लापरवाही**

**बरतने के फलस्वरूप तीन सचिव की 02-02 वेतनवृद्धि (असंचयी) प्रभाव से रोकी गई**

मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं विहित प्राधिकारी जिला पंचायत झाबुआ म.प्र. के द्वारा पंचायतराज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 92 के अंतर्गत आदेश जारी किया गया है। ग्राम पंचायत रत्नी, जनपद पंचायत थांदला में वर्ष 2008-09 एवं 2011-12 में आंगनवाड़ी भवन के कार्य एवं उचित मूल्य की दुकान में अनावेदकगण ग्राम पंचायत रत्नी पूर्व सरपंच श्रीमती कमला राजु कटारा, जनपद पंचायत थांदला, ग्राम पंचायत रत्नी पूर्व सचिव श्री प्रकाश अमलियार जनपद पंचायत थांदला (वर्तमान पदस्थ घुमडिया जनपद पंचायत थांदला), ग्राम पंचायत रत्नी पूर्व सचिव श्री भूरा झोडिया जनपद पंचायत थांदला (वर्तमान पदस्थ नाहरपुरा जनपद पंचायत थांदला) एवं ग्राम पंचायत रत्नी पूर्व सचिव श्री दलसिंह भूरिया, जनपद पंचायत थांदला (वर्तमान पदस्थ भैरूगढ जनपद पंचायत थांदला) द्वारा गलत तरीके से शासकीय धन का आहरण कर उसका दुरुपयोग किया गया। अनावेदकगणों द्वारा शासकीय राशि रु. 3,34,754/- का आहरण गलत तरीके से किया गया। इसलिए प्रदाय राशि के कार्य

समयसीमा में पूर्ण नहीं करते हुये शासकीय धन अपनी अभिरक्षा में अनाधिकृत रूप से आहरण कर रखना प्रमाणित होने से इन्हें कर्तव्य निर्वहन में लापरवाही मानते हुये सभी को उक्त कृत्य के लिये संयुक्त रूप से उत्तरदायी है। अपने कार्यकाल के दौरान शासकीय धन की प्रतिपूर्ति करने के लिये ग्राम पंचायत रत्नी पूर्व सरपंच श्रीमती कमला राजु कटारा, जनपद पंचायत थांदला की वसूली योग्य राशि रु. 1,42,440/- (एक लाख बयालीस हजार चार सौ चालीस मात्र), ग्राम पंचायत रत्नी पूर्व सचिव श्री प्रकाश अमलियार जनपद पंचायत थांदला (वर्तमान पदस्थ ग्राम पंचायत घुमडिया जनपद थांदला) की वसूली योग्य राशि रु. 24,938/- (चौबीस हजार नौ सौ अडतीस रु मात्र), ग्राम पंचायत रत्नी पूर्व सचिव श्री भूरा झोडिया, जनपद पंचायत थांदला (वर्तमान पदस्थ ग्राम पंचायत नाहरपुरा जनपद थांदला) की वसूली योग्य राशि रु. 1,42,438/- (एक लाख बयालीस हजार चार सौ अडतीस रु मात्र) एवं ग्राम पंचायत रत्नी पूर्व सचिव श्री दलसिंह भूरिया जनपद पंचायत थांदला (वर्तमान पदस्थ ग्राम पंचायत भैरूगढ जनपद थांदला) को वसूली योग्य राशि रु. 24,938/- (चौबीस हजार नौ सौ अडतीस रु मात्र) वसूली के आदेश पारित किये जाते हैं। साथ ही अनावेदक ग्राम पंचायत रत्नी पूर्व सचिव श्री प्रकाश अमलियार जनपद

पंचायत थांदला (वर्तमान पदस्थ ग्राम पंचायत घुमडिया जनपद थांदला), ग्राम पंचायत रत्नी पूर्व सचिव श्री भूरा झोडिया जनपद पंचायत नाहरपुरा जनपद थांदला) एवं ग्राम पंचायत रत्नी पूर्व सचिव श्री दलसिंह भूरिया जनपद पंचायत थांदला (वर्तमान पदस्थ ग्राम पंचायत भैरूगढ जनपद थांदला) को अपने कार्य में लापरवाही बरतने के फलस्वरूप तीनों की 02-02 वेतनवृद्धि (असंचयी) प्रभाव से रोकी जाती है। इसके साथ ही म.प्र. पंचायतराज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 के अंतर्गत अधिनियम धारा क्रमांक 92 (3) (क) के प्रावधान अनुसार ग्राम पंचायत रत्नी पूर्व सरपंच श्रीमती कमला राजु कटारा, जनपद पंचायत थांदला से वसूली योग्य राशि भू-राजस्व के बकाया तौर पर वसूली किये जाने के आदेश के साथ ही धारा क्रमांक 92 (5) के प्रावधान अनुसार कार्यवाही हेतु आदेश पारित किये जाते हैं।पारित आदेश के संदर्भ में वसूली की राशि एक माह के अंदर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत थांदला में अनिवार्य रूप से जमा कराई जावे। समयावधि में राशि जमा नही करने पर संबंधितो के विरूद्ध भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 146 एवं 147 तथा म.प्र. पंचायतराज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 92 के तहत नियमानुसार कार्यवाही नियत की जाती है।

## मडावदा शिशु मंदिर ने किया नागरिक सम्मान

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर मड़ावदा द्वारा नागरिक सम्मान किया गया

उज्जैन

ग्राम पंचायत मड़ावदा में उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाज के हित में कार्य करने वाले नागरिक का सम्मान आपके द्वारा ग्राम पंचायत में अपने निजी संसाधन से जलप्रदाय किया जाता है श्री अमृतलाल जी पाटीदार श्री हीरालाल जी पाटीदार श्री मांगीलाल जी राठौड़ श्री अर्जुन डाबी (मध्य प्रदेश विद्युत मंडल में भी आप सेवाएं देते हैं) श्री ईश्वर लाल जी अपने स्वयं का रक्त देकर समाज की सेवा करने वाले श्री रवि बैरागी



27 बार रक्तदान किया और श्री संदीप पाटीदार 19 बार रक्तदान किया शासकीय शिक्षक के पद पर पदस्थ श्री सत्यनारायण जी उपाध्याय आपके द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में अनेक उत्कृष्ट कार्य किए गए आप समाज को विकसित करने

में और शिक्षित करने में योगदान प्रदान करते हैं पूर्वा आचार्य दीदी का सम्मान श्रीमती सोना गोयल और श्रीमती अनीता डाबी विद्यालय परिवार आप सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

# सुश्री भत्या मित्तल ने कलेक्टर खरगोन का कार्यभार संभाला

खरगोन बुरहानपुर से स्थानांतरित होकर आयी सुश्री भव्या मित्तल ने गुरुवार को कलेक्टर खरगोन का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। मित्तल वर्ष 2014 बेच की भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी है। इससे पहले वे बुरहानपुर में कलेक्टर के पद पर कार्यरत थी। मित्तल नीमच में जिला पंचायत सीईओ, इंदौर नगर निगम में आयुक्त, इंदौर एवं राजगढ़ में अपर कलेक्टर, धार-पीथमपुर एवं सतना जिले के नागौद में एसडीएम के पद पर अपनी सेवाएं दे चुकी है।



शाखाओं का निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं को देखा। उन्होंने कलेक्ट्रेट कार्यालय की निर्वाचन शाखा, नाजरात शाखा, खाद्य एवं आपूर्ति, खनिज शाखा, ई-गवर्नेंस, भू-अभिलेख, जिला कोषालय, जिला जनसंपर्क कार्यालय, महिला एवं बाल विकास, एनआईसी, लोक सेवा प्रबंधन, राहत शाखा, जनसुनवाई कक्ष का निरीक्षण किया। इस दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती रेखा राठौर, संयुक्त कलेक्टर सत्यनारायण द्रौं, श्रीमती हेमलता सोलंकी, डिप्टी कलेक्टर सुश्री पूर्वा मंडलोई लोकेश छापरे एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

**कलेक्ट्रेट पहुंचने पर अधिकारियों ने किया स्वागत** नवागत कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल के कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचने पर अपर कलेक्टर श्रीमती रेखा राठौर, संयुक्त कलेक्टर सत्यनारायण द्रौं, श्रीमती हेमलता सोलंकी एवं अन्य अधिकारियों ने उनका स्वागत किया।

नवग्रह मेले का किया निरीक्षण कलेक्टर मित्तल ने कार्यभार ग्रहण करने से पहले नवग्रह की नगरी खरगोन के नवग्रह मंदिर में पूजा अर्चना की तथा नवग्रह मेले का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने नवग्रह मंदिर में बनाए जा रहे नवग्रह लोक के बारे में जानकारी ली। नवग्रह मेला के निरीक्षण के दौरान उन्होंने मेले की व्यवस्था, दुकानों के आबंटन की व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली।

**शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों का होगा क्रियान्वयन** कलेक्टर सुश्री मित्तल ने कार्यभार ग्रहण करने के साथ ही अपनी प्राथमिकताएं बताते हुए कहा कि जिले में शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाएगा। निर्माण कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण कराने का

प्रयास किया जाएगा। खरगोन जिले में कपास एवं मिर्च की खेती बहुतायत में होती है। अतः कपास एवं मिर्च की खेती करने वाले किसानों को जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। एक जिला एक उत्पाद के अंतर्गत खरगोन जिले में मिर्च का चयन किया गया है। अतः मिर्च उत्पादन एवं उससे

तैयार होने वाले प्रोडक्ट की मार्केटिंग पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने पर काम किया जाएगा और प्रोजेक्ट संकल्प के अंतर्गत मातृ-शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए कारगर प्रयास किये जाएंगे। कलेक्टर सुश्री मित्तल ने कलेक्ट्रेट भवन में लगने वाले कार्यालयों एवं विभिन्न

# भारत के स्वतंत्रता संग्राम के शहीदों की स्मृति में कलेक्टर कार्यालय में 2 मिनट का मौन धारण



## सुश्री भत्या मित्तल ने कलेक्टर खरगोन का कार्यभार संभाला

**खरगोन** बुरहानपुर से स्थानांतरित होकर आयी सुश्री भव्या मित्तल ने 30 जनवरी को कलेक्टर खरगोन का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। सुश्री मित्तल वर्ष 2014 बेच की भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी है। इससे पहले वे बुरहानपुर में कलेक्टर के पद पर कार्यरत थी। सुश्री मित्तल नीमच में जिला पंचायत सीईओ, इंदौर नगर निगम में आयुक्त, इंदौर एवं राजगढ़ में अपर कलेक्टर, धार-पीथमपुर एवं सतना जिले के नागौद में एसडीएम के पद पर अपनी सेवाएं दे चुकी है।



**शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों का होगा प्रभावी क्रियान्वयन** कलेक्टर सुश्री मित्तल ने कार्यभार ग्रहण करने के साथ ही अपनी प्राथमिकताएं बताते हुए कहा कि जिले में शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाएगा। निर्माण कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण कराने का प्रयास किया जाएगा। खरगोन जिले में कपास एवं मिर्च की खेती बहुतायत

में होती है। अतः कपास एवं मिर्च की खेती करने वाले किसानों को जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। एक जिला एक उत्पाद के अंतर्गत खरगोन जिले में मिर्च का चयन किया गया है। अतः मिर्च उत्पादन एवं उससे तैयार होने वाले प्रोडक्ट की मार्केटिंग पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने पर काम किया जाएगा और

**नर्मदापुरम** भारत के स्वतंत्रता संग्राम के शहीदों की स्मृति में आज 30 जनवरी को कलेक्टर कार्यालय में 2 मिनट का मौन धारण किया गया। मौन धारण प्रातः 11:00 बजे से 11:02 बजे तक किया गया। इस दौरान, सायरन की आवाज से सूचना दी गई, जो 10:59 बजे से 11:00 बजे तक और समाप्ति के बाद 11:02 बजे से 11:03 बजे तक बजाया गया। मौन धारण के दौरान अपर कलेक्टर श्री डीके सिंह, संयुक्त कलेक्टर श्री अनिल जैन, डिप्टी कलेक्टर डॉ बबिता राठौर, सिटी मजिस्ट्रेट श्री बृजेंद्र रावत सहित कलेक्टर कार्यालय के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में शहीद हुए सेनानियों की स्मृति में मौन धारण कर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके बलिदान को याद किया।

प्रोजेक्ट संकल्प के अंतर्गत मातृ-शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए कारगर प्रयास किये जाएंगे। कलेक्टर सुश्री मित्तल ने कलेक्ट्रेट भवन में लगने वाले कार्यालयों एवं विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं को देखा। उन्होंने कलेक्ट्रेट कार्यालय की निर्वाचन शाखा, नाजरात शाखा, खाद्य एवं आपूर्ति, खनिज शाखा, ई-गवर्नेंस, भू-अभिलेख, जिला कोषालय, जिला जनसंपर्क कार्यालय, महिला एवं बाल विकास, एनआईसी, लोक सेवा प्रबंधन, राहत शाखा, जनसुनवाई कक्ष का निरीक्षण किया। इस दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती रेखा राठौर, संयुक्त कलेक्टर श्री सत्यनारायण द्रौं, श्रीमती हेमलता सोलंकी, डिप्टी कलेक्टर सुश्री पूर्वा मंडलोई श्री लोकेश छापरे एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

**कलेक्ट्रेट पहुंचने पर अधिकारियों ने किया स्वागत** नवागत कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल के कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचने पर अपर कलेक्टर श्रीमती रेखा राठौर, संयुक्त कलेक्टर श्री सत्यनारायण द्रौं, श्रीमती हेमलता सोलंकी एवं अन्य अधिकारियों ने उनका स्वागत किया।





# जीबीएस का बढ़ रहा कहर, अब तक चार मौतें 140 केस सामने आए... पानी के नमूनों में मिला बैक्टीरिया

**मुंबई ।** महाराष्ट्र में गुलियन बैरे सिंड्रोम से चार लोगों की मौत हो चुकी है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि राज्य में अब तक जीबीएस के संदिग्ध 140 मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें से 98 में जीबीएस की पुष्टि हो चुकी है। इनमें पुणे से 26 मरीज हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि पिंपरी चिंचवाड़ के यशवंतराव चव्हाण मेमोरियल अस्पताल में एक 36 वर्षीय व्यक्ति की बृहस्पतिवार को मौत हो गई। उनके शरीर में निमोनिया के कारण श्वसन तंत्र पर असर पड़ा था। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को पुणे के धायरी इलाके के 60 वर्षीय व्यक्ति की भी मौत हुई। उन्हें दस्त और कमजोरी के कारण 27 जनवरी को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन हृदय गति रुकने से उनकी मौत हो गई। राज्य स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि राज्य में 140 संदिग्ध मरीज हैं। 96 मरीजों में जीबीएस की पुष्टि हुई है। 26 मरीज पुणे शहर से हैं। जबकि 78 नए मरीज पुणे नगर निगम क्षेत्र के गांवों में मिले हैं। 15 मरीज पिंपरी चिंचवाड़ क्षेत्र, 10 मरीज पुणे ग्रामीण और 11 अन्य जिलों में मिले हैं। शुक्रवार को कोई भी नया मरीज सामने नहीं आया। राज्य में



सबसे ज्यादा मामले पुणे और उसके आसपास के इलाकों से सामने आए। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि पुणे शहर के विभिन्न हिस्सों से 160 पानी के नमूने जांच के लिए भेजे गए, जिनमें से आठ नमूने दूषित पाए गए। सिंहगढ़ रोड के कुछ बोरवेल से मिले नमूनों में ई.कोली बैक्टीरिया पाया गया है। उन्होंने बताया कि ई.कोली का पानी में होना मल या पशु अपशिष्ट के प्रदूषण का संकेत है, और यह जीबीएस संक्रमण का कारण बन सकता है। नांदेड़, किरकटवाड़ी, धायरी और सिंहगढ़ रोड से जुड़े तमाम इलाकों से पुणे नगर निगम के अधिकारियों ने बोरवेल और कुओं से पानी के नमूने लेकर जांच के लिए भेजे हैं। पुणे नगर

निगम के जलापूर्ति विभाग के प्रमुख नंदकिशोर जगताप ने बताया कि कल हमने जीबीएस प्रभावित क्षेत्र सिंहगढ़ रोड के निजी बोरवेल और कुओं से नमूने लिए। एक नमूने में ई.कोली बैक्टीरिया पाया गया। उन्होंने कहा कि दो दिन पहले निजी ट्यूबवेल ऑपरेटरों और बोरवेल्स संचालकों के साथ बैठक की गई थी। उनको निर्देश दिया गया था कि बैक्टीरिया को रोकने के लिए पीएमसी द्वारा प्रदान किए गए ब्लीचिंग पावर का उपयोग करें। हमारे विशेषज्ञों ने उन्हें पानी में घोल कैसे मिलाया जाए, इसका प्रदर्शन दिया। नांदेड़ क्षेत्र में बोरवेल प्वाइंट को ब्लीचिंग पावर घोल का उपयोग करने के लिए नोटिस जारी किया गया है।

## अमेरिका के फिलाडेल्फिया में प्लेन क्रैश उड़ान के 30 सेकेंड बाद घरों पर गिरा,कई इमारतों में लगी आग, 6 लोग थे सवार



अमेरिका के पेंसिलवेनिया राज्य के फिलाडेल्फिया में शनिवार(1 फरवरी) को एक प्लेन क्रैश हो गया। एक छोटा मेडिकल जेट उड़ान भरने के महज 30 सेकेंड बाद ही रिहायशी इलाके में गिर गया। इस विमान में छह लोग सवार थे, जिनमें दो डॉक्टर, दो पायलट, एक मरीज और एक परिवार का सदस्य शामिल थे। हादसे के तुरंत बाद इलाके में अफरातफरी मच गई। कई इमारतों में आग लग गई और दमकल विभाग को मौके पर बुलाया गया। **कैसे हुआ हादसा?** फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार, लियरजेट 55 नामक यह विमान शाम 6:30 बजे (स्थानीय समय) नॉर्थ-ईस्ट फिलाडेल्फिया एयरपोर्ट से उड़ा था। उड़ान के सिर्फ 30 सेकेंड बाद ही यह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह विमान उड़ान 6.4 किलोमीटर (4 मील) दूर जाकर एक घनी आबादी वाले इलाके में गिरा। इस हादसे से इलाके के कई घर और दुकानें प्रभावित हुईं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अचानक जोरदार धमाके के साथ विमान जमीन से टकराया

और चारों ओर आग की लपटें फैल गई। **शॉपिंग मॉल के पास हुआ क्रैश** यह हादसा फिलाडेल्फिया के रूजवेल्ट मॉल के पास हुआ, जो एक व्यस्त और घनी आबादी वाला क्षेत्र है। यह एक तीन मंजिला शॉपिंग सेंटर है, जिसके आसपास कई घर और व्यावसायिक इमारतें स्थित हैं। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए वीडियो में देखा जा सकता है कि विमान बहुत तेजी से नीचे आया और टकराने के बाद एक बड़े धमाके के साथ आग लग गई। चरमदीयों ने बताया कि धमाके की आवाज इतनी तेज थी कि लगा कोई बड़ा विस्फोट हुआ हो। **FAA और NTSB कर रहे हैं जांच** इस हादसे की जांच फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (FAA) और नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड मिलकर कर रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, विमान का ब्लैक बॉक्स बरामद कर लिया गया है और उससे विमान के क्रैश होने के कारणों की जांच की जाएगी। शुरुआती रिपोर्ट्स के अनुसार,

तकनीकी खराबी के चलते यह हादसा हुआ हो सकता है। हालांकि, सटीक कारणों का पता जांच पूरी होने के बाद ही चल पाएगा। **प्रत्यक्षदर्शियों ने सुनाई आपबीती** प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विमान जब गिरा, तब उन्होंने एक बहुत तेज धमाका सुना। स्थानीय निवासी मार्क विलियम्स ने बताया, मैं अपने घर में था, अचानक एक तेज आवाज आई और घर कांपने लगा। लगा कि कोई बड़ा विस्फोट हुआ है। जब बाहर निकला तो देखा कि चारों ओर धुआं ही धुआं था। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए वीडियो में देखा जा सकता है कि कई घरों और कारों में आग लगी हुई थी और दमकल कर्मी आग बुझाने में जुटे थे। **कुछ दिन पहले भी क्रैश हुए थे एक प्लेन** इस हादसे से पहले भी अमेरिका में एक और बड़ा विमान हादसा हुआ था। दो दिन पहले वाशिंगटन डीसी के पास एक यात्री विमान और एक हेलिकॉप्टर टकरा गए थे। उस हादसे में 67 लोगों की जान चली गई थी। यह अमेरिका में पिछले दो दशकों का सबसे भयानक विमान हादसा था।

## पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त नवीन चावला का निधन मस्तिष्क सर्जरी के लिए अस्पताल में थे भर्ती

**नई दिल्ली** पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) नवीन चावला का शनिवार को निधन हो गया। वह 79 वर्ष के थे। उनके निधन की सूचना पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी ने दी है। इसके अलावा, चुनाव आयोग के एक पदाधिकारी ने भी चावला के निधन की पुष्टि की है। पूर्व सीईसी एसवाई कुरैशी ने बताया कि, वह चावला से करीब 10 दिन पहले मिले थे, उस समय चावला ने उन्हें बताया था कि उन्हें ब्रेन सर्जरी के लिए अस्पताल में भर्ती कराया जा रहा है। आज सुबह अपोलो अस्पताल में उनका निधन हो गया। उन्होंने कहा कि



जब वे आखिरी बार मिले थे, तब वे खुश थे। एसवाई कुरैशी ने

एक्स पर लिखा, भारत के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त नवीन चावला के निधन के बारे में जानकर दुख हुआ। उनकी आत्मा को शांति मिले। पूर्व नौकरशह चावला 2005 से 2009 के बीच चुनाव आयुक्त थे और फिर अप्रैल 2009 से जुलाई 2010 तक मुख्य चुनाव आयुक्त रहे। तत्कालीन मुख्य चुनाव आयुक्त एन गोपालस्वामी ने नवीन चावला पर कामकाज में कथित भेदभाव बरतने का आरोप लगाकर राष्ट्रपति से उन्हें चुनाव आयुक्त पद से हटाने की सिफारिश की थी। जिसके बाद खासा विवाद देखने को मिला था।

## सम में तीन आरक्षित वन गैरअधिसूचित, रेलवे का सुपर एप जारी... कर्नाटक में ऑपरेशन नक्सल आत्मसमर्पण पूरा

**असम** असम सरकार ने तिनसुकिया जिले के तीन आरक्षित वनों को गैर अधिसूचित करने का फैसला किया है। असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने बताया कि कैबिनेट ने तिनसुकिया जिले में तीन प्रस्तावित आरक्षित वनों (पीआरएफ) को गैर अधिसूचित करने का फैसला किया है। इससे 20000 से अधिक निवासियों को भूमि अधिकार का मिल सकेगा। शुक्रवार को सरमा की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में राय सरकार ने पीआरएफ को राजस्व गांवों में बदलने को मंजूरी दी गई। सीएम सरमा ने बताया कि तिनसुकिया में तीन प्रस्तावित आरक्षित वन हैं। हमने उन्हें गैर अधिसूचित करने और राजस्व गांव बनाने का निर्णय लिया है। इससे वहां रहने वाले लोगों को भूमि अधिकार प्राप्त करने में मदद मिलेगी। इन गांवों में 20,000 से अधिक लोग रहते हैं और आरक्षित वन प्रतिबंधों के कारण उन्हें कोई भूमि अधिकार नहीं मिल रहा था। इसीलिए हमने इनको राजस्व गांव बनाने का फैसला किया।

**नक्सल आत्मसमर्पण पूरा** कर्नाटक के मुख्यमंत्री कार्यालय ने कहा कि हमें यह घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है कि आखिरी भूमिगत नक्सली कोटेहोंडा रवि ने नेम्मार वन में आत्मसमर्पण कर दिया है। लंबे समय से फरार नक्सली थोम्बट्ट लक्ष्मी कल चिकमगलुरु/उडुपी में आत्मसमर्पण करेगी। ऑपरेशन नक्सल आत्मसमर्पण पूरा हो गया है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कर्नाटक को नक्सल मुक्त राय बनाने के लिए अथक परिश्रम करने वाले 22 पुलिस अधिकारियों की टीम के लिए मुख्यमंत्री पदक की घोषणा की है। **अतुल सुभाष आत्महत्या मामला- कोर्ट ने निकिता के अंकल को दी अग्रिम जमानत** कर्नाटक की एक स्थानीय अदालत ने एआई इंजीनियर अतुल सुभाष की आत्महत्या से जुड़े मामले में उसकी पत्नी निकिता सिंघाण्या के अंकल सुशील को अग्रिम जमानत दे दी है। सुभाष आत्महत्या मामले के चौथे आरोपी सुशील को पहले ही इलाहाबाद हाईकोर्ट से राहत मिल चुकी है। अतुल ने अपनी पत्नी निकिता (34) और उसके घर वालों पर उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए 9 दिसंबर, 2024 को बंगलूरू स्थित अपार्टमेंट में आत्महत्या कर ली थी। 24 पनों के सुसाइड नोट में सुभाष ने तलाक के लिए अपनी निकिता पर 3 करोड़ रुपये देने का दबाव डालने आरोप लगाया था। अतुल की मौत के बाद पुलिस ने निकिता, उसकी मां निशा और उसके भाई अनुराग को गिरफ्तार किया था। सुभाष और निकिता ने साल 2019 में शादी की थी और दोनों का एक बेटा भी है। हालांकि, सुभाष और निकिता बीते तीन सालों से अलग रह रहे थे। भारत को वैश्विक

स्थितियों का लाभ उठाना होगा- नागेश्वरनमुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने कहा कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लिए अनुकूल वैश्विक स्थितियों का लाभ उठाना होगा। भारत की आर्थिक वृद्धि में मंदी के लिए वैश्विक कारकों को जिम्मेदार ठहराया। आर्थिक सर्वेक्षण पेश करने के बाद नागेश्वरन ने कहा, भारतीय अर्थव्यवस्था में वर्तमान सापेक्ष मंदी को परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए और भारत अभी भी दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है। एनएसओ के अनुमान को मानें तो 2024-25 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर घटकर 6.4 फीसदी रहने की उम्मीद है। सर्वेक्षण में 2025-26 के लिए 6.3 से 6.8 फीसदी की वृद्धि का अनुमान है। नागेश्वरन ने कहा कि जब भी वैश्विक निर्यात वृद्धि में तेजी आती है, उन वर्षों में यह 0.5 से 1 फीसदी अतिरिक्त वृद्धि में योगदान देता है, जो इसे (भारत की आर्थिक वृद्धि को) 7.5-8 फीसदी तक ले जाएगा। कृषि क्षेत्र स्वयं अतिरिक्त जीडीपी वृद्धि में एक फीसदी का योगदान दे सकता है।

**ओडिशा में आयोजित प्रवासी भारतीय दिवस बेहद सफल रहा = जयशंकर** विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि ओडिशा में आयोजित 18वां प्रवासी भारतीय दिवस बेहद सफल रहा। उन्होंने कहा कि विदेश मंत्रालय भविष्य में प्रवासी भारतीय दिवस (पीबीडी) जैसे कार्यक्रमों के आयोजन के लिए ओडिशा सरकार के साथ साझेदारी करने के लिए उत्सुक है। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी को लिखे पत्र में जयशंकर ने हाल ही में भुवनेश्वर में आयोजित 18वें प्रवासी भारतीय दिवस को सफलत बनाने के लिए राय सरकार को बधाई दी। तीन दिवसीय प्रवासी भारतीय दिवस यहां 8-10 जनवरी तक आयोजित किया गया। जयशंकर ने पत्र में कहा, ओडिशा सरकार ने पीबीडी के आयोजन के लिए पूरी योजना को सावधानीपूर्वक तैयार कर इसका वृटिहीन क्रियान्वयन किया। उन्होंने कहा, आयोजन में भाग लेने वाले भारतीय प्रवासी सदस्यों ने ओडिशा सरकार के आतिथ्य के बारे में बहुत सकारात्मक प्रतिक्रियाएं दी हैं। मालूम हो कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 09 जनवरी 2025 को प्रवासी भारतीय दिवस 2025 का उद्घाटन किया। प्रवासी भारतीय दिवस 2025 की मुख्य अतिथि, त्रिनिदाद और टोबैगो गणराय की राष्ट्रपति महामहिम क्रिस्टीन कालां कंगालू ने सभा को वरुंचल माध्यम से संबोधित किया। **डॉक्टर से दुष्कर्म में चार दोषियों को 20 साल की कैद** तमिलनाडु की महिला अदालत ने मार्च 2022 में एक डॉक्टर से दुष्कर्म मामले में चार लोगों को दोषी करार दिया। वेल्शेर सत्र न्यायाधीश (फास्ट ट्रैक

महिला अदालत) एस मगेश्वरी बानू रेखा ने चारों को 20 साल के कठोर कारावास की सजा के साथ ही प्रत्येक पर 25,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। पुलिस ने दुष्कर्मियों की पहचान ऑटो चालक पार्थिवन, दिहाड़ी मजदूर मणि उर्फ मणिकंदन और उसके दोस्तों भरत और संतोष के तौर पर की थी। वहीं, मामले में पांचवे संदिग्ध नाबालिग पर किशोर न्याय बोर्ड में मुकदमा चल रहा है। महिला डॉक्टर ने ऑनलाइन शिकायत की थी। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, पीड़िता अपने पुरुष सहकर्मी के साथ 16 मार्च, 2022 को सुबह 12.30 बजे काटपाडी में ऑटो का इंतजार कर रही थी। इस दौरान ऑटो में सवार गिरोह ने ऑटो के शेररिंग होने का दावा कर दोनों को उसमें चढ़ने के लिए मना लिया। इसके बाद ये लोग पीड़िता डॉक्टर और उसके पुलिस सहकर्मी को पलार नदी के किनारे ले गए। वहां सहकर्मी को चाकू की नोक पर रखकर डॉक्टर से दुष्कर्म किया।

**भ्रष्टाचार के आरोपी सब-इंस्पेक्टर ने गोली मारकर की खुदकुशी** आंध्र प्रदेश के पश्चिमी गोदावरी जिले में पुलिस के एक सब-इंस्पेक्टर ने सर्विस रिवॉल्वर से गोली मारकर खुदकुशी कर ली। घटना शुक्रवार सुबह लगभग 7.45 बजे तनुकु ग्रामीण थाने के भीतर हुई। पुलिस ने बताया कि एजीएस मूर्ति ने यह आत्मघाती कदम क्यों उठाया, इसकी जांच की जा रही है। एक अधिकारी ने बताया कि भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण मुक्ति रोजर्व में रखा गया था। उसके खिलाफ जांच लंबित थी। **झारखंड सरकार की अबुआ आवास योजना में अब जियो-टैग एप का इस्तेमाल** झारखंड सरकार ने कहा है कि आवास योजना- अबुआ आवास के तहत मिलने वाली किस्तों का समय पर और पारदर्शी वितरण सुनिश्चित करने के लिए जियो-टैग एप की शुरुआत की गई है। यह लाभार्थी-स्तरीय पहल है। जिसके तहत लाभुक अपने निर्माणाधीन घरों को जियो-टैग कर सकेंगे। इससे निर्माण की प्रगति के बारे में वास्तविक समय पर अपडेट मिलेगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरन की सरकार में ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे ने बताया कि मोबाइल एप्लीकेशन से पारदर्शिता बढ़ेगी और किस्त भुगतान प्रक्रिया में अनियमितताओं को रोका जा सकेगा। धनराशि का वितरण केवल तभी होगा जब निर्माण कार्य पूरा होगा। **CM रेवंत बोले- केसीआर ?1000 के बंद नोट जैसे, अब कीमत नहीं** तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) प्रमुख के चंद्रशेखर राव की तुलना अब बंद हो चुके 1,000 रुपये के नोट से की। उन्होंने कहा कि प्रतिबंधित नोट रखने वालों को गिरफ्तार

किया जाएगा। रंगारेड्डी जिले के मोगिलिगिड्डा में एक रैली को संबोधित करते हुए रेवंत रेड्डी ने राव पर निशाना साधा। उन्होंने विपक्षी नेता राव को बहस के लिए विधानसभा सत्र में भाग लेने की चुनौती दी। रेड्डी ने कहा, अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं के सामने केसीआर शेखी नहीं बघारें। तेलंगाना समाज भी आप में दिलचस्पी नहीं रखता। इसके पहले केसीआर ने कहा था कि राय में कांग्रेस सरकार अपने शासन के एक साल के भीतर ही अपनी विश्वसनीयता खो चुकी है, जिसपर रेड्डी ने यह टिप्पणी की। राव ने भरोसा जताया कि अगले विधानसभा चुनावों में बीआरएस फिर से सत्ता में आएगी। रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना के लोग अब केसीआर के सत्ता में लौटने में रुचि नहीं रखते हैं, क्योंकि वे पहले से ही कई सरकारी योजनाओं का लाभ उठा रहे हैं। **नाबालिग पोती से दुष्कर्म के दोषी नाना को तीन आजीवन कारावास की सजा** केरल की एक अदालत ने अपनी नाबालिग पोती के साथ बलात्कार करने के जुर्म में दोषी को तीन आजीवन कारावास की सजा सुनाई। पीड़िता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। कोट्टाराक्कारा फास्ट ट्रैक विशेष अदालत की न्यायाधीश अंजू मीरा बिड़ला ने यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (क्वष्ट्रस्ट) कानून के तहत दोष सिद्ध होने के बाद दोषी को तीन आजीवन कारावास की सजा सुनाई। उन्होंने कहा कि दोषी अपना बचा हुआ प्राकृतिक जीवन जेल में ही बिताएगा। **रेल मंत्रालय ने बनाया सुपर एप** रेल मंत्रालय ने सुपरएप नामक एक ऐप्लीकेशन शुक्रवार को परीक्षण के लिए गूगल प्ले स्टोर पर जारी किया है। यह लोगों को कई सेवाएं प्रदान करेगा। रेलवे बोर्ड के अधिकारी ने कहा कि केवल 1,000 उपयोगकर्ता ही इसे डाउनलोड कर सकते हैं। हम प्रतिक्रिया और फीडबैक का आकलन करेंगे। इसके बाद इसे आगे के सुझावों और टिप्पणियों के लिए 10,000 डाउनलोड के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह एप आरक्षित और अनारक्षित टिकट बुकिंग, प्लेटफॉर्म और पार्सल बुकिंग, ट्रेन पृछताछ, पीएनआर पृछताछ, रेलमदद के माध्यम से सहायता और अन्य सेवाओं तक आसान पहुंच प्रदान करता है। रेलवे बोर्ड के सूचना एवं प्रचार के कार्यकारी निदेशक दिलीप कुमार ने कहा कि एप का मुख्य जोर एक सहज और स्वछ यूजर इंटरफेस के माध्यम से उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर बनाना है। यह न केवल सभी सेवाओं को एक स्थान पर जोड़ता है, बल्कि उपयोगकर्ताओं को भारतीय रेलवे सेवाओं का पूरा पैकेज प्रदान करने के लिए कई सेवाओं को जोड़ता है।

## श्रीलंका ने वाहनों के आयात पर प्रतिबंध हटाया, तया कार खरीदना होगा आसान?

**श्रीलंका ।** श्रीलंका ने वाहनों के आयात पर प्रतिबंध हटा दिया है। राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके की ओर से शुक्रवार को जारी एक नए विशेष राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से यह जानकारी दी गई। यह आदेश एक फरवरी से लागू हो गया है। इसी के साथ कोविड-19 महामारी के दौरान 2020 की शुरुआत में लगाए गए वाहन आयात पर प्रतिबंध पूरी

तरह से समाप्त हो गया है। यह प्रतिबंध तब भी जारी था जब श्रीलंका आर्थिक संकट से जूझ रहा था। हालांकि प्रतिबंध हटाए जाने के बाद आयात शुल्क में बढ़ोतरी की जा सकती है। दिसानायके ने पहले घोषणा की थी कि वाहन आयात के लिए 1.2 अरब अमेरिकी डॉलर ‘रिजर्व’ किए जाएंगे। श्रीलंका को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की

शर्तों के अनुरूप अपने विदेशी मुद्रा भंडार को बनाए रखना होगा और उसे बढ़ाना होगा ताकि अर्थव्यवस्था 2022 जैसी गिरावट से बचा जा सके। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि प्रतिबंध हटने के बावजूद वाहन खरीदना आसान नहीं होगा। श्रीलंका में पहले से ही महंगाई दर काफी ऊंची है और टैक्स भी बढ़ाए गए हैं। सरकार ने आयातित कारों पर उच्च

कर और शुल्क लगाए हैं, जिससे कारों की कीमतें आसमान छू सकती हैं। इसके अलावा, श्रीलंकाई मुद्रा कमजोर है, जिससे आयातित वाहनों की लागत और भी ज्यादा होगी। सरकार ने फिलहाल पूरी तरह से नई कारों के आयात को मंजूरी नहीं दी है। शुरुआती चरण में सार्वजनिक परिवहन के लिए बसें और ट्रकों का आयात शुरू किया

जाएगा। इसके अलावा, कुछ चुनिंदा हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों की भी अनुमति दी गई है। अभी तक यह साफ नहीं है कि आम नागरिकों के लिए निजी कारों का आयात कब शुरू होगा। सरकार आर्थिक स्थिरता को ध्यान में रखते हुए धीरे-धीरे कदम बढ़ा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर देश की आर्थिक स्थिति में सुधार आता है, तो अगले कुछ

समय में आयात शुरू किया जा सकता है।



महीनों में कार बाजार में और राहत दी जा सकती है।